2020 से 2022

Web Portal
www.ghatatighatana.com

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर , वर्ष 18,अंक -316 बुधवार ,21 सितम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

पवित्र मार्ग के प्रदर्शक देवतागण स्वयं पाप का अनुसरण नहीं करते।

-कालिदास-

संक्षिप्त समाचार

बदमाशों ने दिनदहाड़े आईसीआईसीआई बैंक में बोला धावा,14 लाख रुपए लूटकर फरार

मुजफ्फरपुर, 20 सितम्बर 2022। बिहार में विपक्ष अपराधिक घटनाओं को लेकर सरकार को लगातार घेर रही है, लेकिन अपराधिक घटनाओं में कमी नहीं आ रही है. मुजफ्फरपुर जिले के सदर थाना क्षेत्र में सोमवार को दिनदहाड़े अज्ञात बदमाशों ने आईसीआईसीआई बैंक में धावा बोलकर करीब 14 लाख रुपए लूटकर फरार हो गए.

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र के गोबरसही स्थित आईसीआईसीआई बैंक की शाखा में तीन हथियारबंद अपराधी घुस गए और हथियार के बल पर कैश काउंटर में रखे रुपए लूट लिए. इस दौरान लुटेरों ने कई ग्राहकों के पैसे भी लूट लिए और फरार हो गए. सभी लुटेरे मास्क लगाए हुए थे. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन की. पुलिस बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरा खंगाल रही है.

नगर थाना के पुलिस निरीक्षक सत्येंद्र मिश्र ने बताया कि शहर की नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की जा रही है. उन्होंने बताया कि सीसीटीवी में लुटेरों की तस्वीर कैद हुई है, जिसके आधार पर लुटेरों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

मंगेतर ने दोस्तों के साथ मिलकर की डॉक्टर की हत्या,3 आरोपी गिरफ्तार

बेंगलुरु, 20 सितम्बर 2022। कर्नाटक पुलिस ने बेंगलुरु में चेन्नई के एक डॉक्टर की हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस ने मंगलवार को कहा कि जांच से पता चला है कि सोशल मीडिया पर प्राइवेट वीडियो लीक करने को लेकर युवा डॉक्टर की उसकी मंगेतर ने हत्या कर दी थी। मृतक की पहचान 27 वर्षीय डॉ. विकास के रूप में हुई है। वहीं आरोपियों की पहचान उसकी मंगेतर 25 वर्षीय प्रतिभा, उसके दोस्त सुशील (25) और गौतम (27) के रूप में हुई है। पुलिस ने अन्य फरार आरोपी सूर्या की तलाश शुरू कर दी है।

10 सितंबर को विकास पर जानलेवा हमला हुआ था और 18 सितंबर को एक निजी अस्पताल में उसकी मौत हो गई। घटना बेंगलुरु के बेगुर थाना क्षेत्र की है।

पुलिस के मुताबिक, डॉ. विकास और आरोपी प्रतिभा चेन्नई के रहने वाले थे। प्रतिभा आर्किटेक्ट के रूप में एक कंपनी में काम करती थी। दोनों दो साल पहले सोशल मीडिया के जरिए मिले थे और धीरे-धीरे एक-दूसरे को पसंद करने लगे।

बीजेपी सांसद सुशील मोदी को मिली जान से मारने की धमकी

पश्चिम बंगाल से भेजा गया धमकी भरा पत्र

पटना, 20 सितम्बर 2022। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा कोटे से राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी को हत्या करने की धमकी भरा पत्र मिला है। इस लेटर में सुशील मोदी की हत्या करने की धमकी दी गई है। यह पत्र पश्चिम बंगाल से बीजेपी सांसद के राजेन्द्र नगर आवास पर स्पीड पोस्ट से भेजा गया है। धमकी देने वाले ने खुद को ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस का नेता बताया है।

हत्या करने की दी धमकी

धमकी भरा पत्र पश्चिम बंगाल के वर्धमान से चंपा सोम (सोमा) द्वारा स्पीड पोस्ट से भेजा गया है। पत्र में अंग्रेजी में लिखा है कि 'मैं आपको सूचना दे रहा हूं कि मैं तृणमूल कांग्रेस का नेता हूं। ममता बनर्जी भारत की अगली प्रधानमंत्री बन सकती है। ममता बनर्जी और नीतीश कुमार जिंदाबाद। मैं आप की हत्या कर दूंगा। सुशील मोदी ने इसकी सूचना पटना के एसएसपी मानवजीत सिंह ढिल्लों को दी है। इसके साथ ही उन्होंने इस मामले में कार्रवाई करने की मांग की है। एसएसपी डा. मानवजीत सिंह ढिल्लों ने बताया मामले संज्ञान में है। कदमकुआं थाने में केस दर्ज कर मामले की जांच की जाएगी।

सुशील मोदी ने वीडियो ट्वीट कर दी जानकारी

बीजेपी सांसद सुशील कुमार मोदी ने इसकी जानकारी ट्वीट के जरिए दी है। उन्होंने बताया कि है पश्चिम बंगाल के वर्धमान से उन्हें जान से मारने की धमकी भरा पत्र भजा गया है। पत्र भेजने वाले ने खुद को तृणमूल कांग्रेस का नेता बताया है। इसके साथ ही मेरे लिए अपशब्द का भी इस्तेमाल किया गया है। सुशील मोदी ने कहा कि लेटर में लिखा है कि ममता बनर्जी अगली प्रधानमंत्री बनेंगी। आपकी हत्य कर दी जाएगी। सुशील मोदी के मुताबिक जान से मारने की धमकी देने वाले ने अपने पते के साथ मोबाइल नंबर भी दिया है।

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को बड़ा झटका,हाईकोर्ट ने दिया बंगले पर अवैध निर्माण को तोड़ने का आदेश

नई दिल्ली, 20 सितम्बर 2022। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को आज बॉम्बे हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। राणे को बंबई उच्च न्यायालय ने बीएमसी को केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के मुंबई स्थित बंगले में किए गए अवैध निर्माण को दो सप्ताह के भीतर गिराने का आज निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि निर्माण में फ्लोर स्पेस इंडेक्स एसएसआई और कोस्टल रेगुलेशन ज़ोन नियमों का उल्लंघन किया गया है।

न्यायमूर्ति आर. डी. धानुका और न्यायमूर्ति कमल खता की एक खंडपीठ ने कहा कि बृहन्मुंबई नगर निगम को राणे परिवार द्वारा संचालित कंपनी की ओर से दाखिल दूसरे आवेदन पर विचार करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है, क्योंकि ऐसा करने से ''अनधिकृत निर्माण÷ को प्रोत्साहन मिलेगा।

कंपनी द्वारा दाखिल आवेदन में अनधिकृत निर्माण को नियमित करने की मांग की गई है। अदालत ने बीएमसी को दो सप्ताह के भीतर अनधिकृत हिस्से को गिराने और एक सप्ताह बाद अदालत को अनुपालन रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया।

पीठ ने राणे पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया और इस राशि को दो सप्ताह के भीतर महाराष्ट्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा कराने का निर्देश दिया। राणे के वकील शार्दुल सिंह ने अदालत से छह सप्ताह के लिए अपने आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया, ताकि वह उच्चतम न्यायालय में अपील दाखिल कर पाएं। हालांकि, अदालत ने उनका अनुरोध खारिज कर दिया।

बंबई उच्च न्यायालय ने राणे के परिवार के स्वामित्व वाली कंपनी 'कालका रियल एस्टेट्स' की ओर से दायर उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें बीएमसी से उसके पूर्व आदेश से प्रभावित हुए बिना बंगले में अनधिकृत निर्माण को नियमित करने के उसके दूसरे आवेदन पर विचार करने का अनुरोध किया गया था। इससे पहले बीएमसी ने जून में कंपनी के नियमितीकरण आवेदन को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि निर्माण में उल्लंघन किया गया है। इसके बाद कंपनी ने जुलाई में दूसरा आवेदन दाखिल किया था।

अरविंद केजरीवाल के पहुंचने पर मोदी-मोदी के नारे लगे

वडोदरा , 20 सितम्बर 2022। गुजरात में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मंगलवार को एक बार फिर वडोदरा पहुंचे। हालांकि, एयरपोर्ट पर उनके सामने कुछ लोगों ने मोदी-मोदी के नारे लगाने शुरू कर दिए। जवाब में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल-केजरीवाल के नारे भी लगाए। इस दौरान दिल्ली के सीएम बेहद सहज दिखे और मुस्कुराते हुए आगे बढ़ गए।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल गुजरात के एकदिवसीय दौरा पर पहुंचे। वडोदरा में एक टाउन हॉल कार्यक्रम को संबोधित करने पहुंचे केजरीवाल के सामने एयरपोर्ट पर अचानक मोदी-मोदी के नारे लगने लगे। केजरीवाल जैसे ही एयरपोर्ट के एग्जिट गेट पर पहुंचे पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत शुरू किया। इसी दौरान वहां खड़े भाजपा समर्थक मोदी-मोदी के नारे लगाने लगे। हालांकि, दिल्ली के सीएम बेहद सहज दिखे और हाथ जोड़कर मुस्कुराते हुए वह बाहर निकल आए।

भाजपा शासित गुजरात में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं और %आप% नेता ने लोगों तक पहुंच बनाने के लिए हाल में राज्य का कई बार दौरा किया है। पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के गृह राज्य में भाजपा की लगातार 27 साल से सरकार। मुख्य विपक्षी कांग्रेस पार्टी के अलावा इस बार दिल्ली और पंजाब में सरकार चला रही %आप% ने भी पूरे दमखम से चुनाव लड़ रही है। दिल्ली के सीएम विंद केजरीवाल ने हाल के दिनों में मुफ्त बिजली, रोजगार और महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए की मासिक मदद जैसे कई वादे किए हैं।

%आप% की राज्य इकाई के अध्यक्ष गोपाल इटालिया ने बताया कि दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया बुधवार को अहमदाबाद का दौरा करेंगे और उत्तरी गुजरात में पार्टी के लिए चुनाव प्रचार करने से पहले साबरमती आश्रम जाएंगे। केजरीवाल ने पिछले सप्ताह भी गुजरात में टाउन हॉल बैठकें की थीं।

जब रातोंरात बदल गई इस ऑटोरिक्शा चालक की किस्मत,सिर्फ 500 रुपए में बना 25 करोड़ का मालिक!

तिरुवनन्तपुरम, 20 सितम्बर 2022। कहते हैं कि इंसान की किस्मत कब बदल जाए, ये कोई नहीं जानता? कुछ ऐसा ही वाक्या एक ऑटो रिक्शा चालक के साथ उस वक्त हुआ, जब उसने 25 करोड़ रुपये की लॉटरी जीत ली. दरअसल, ये दिलचस्प मामला केरल से सामने आया है, जहां एक ऑटो चालक ने इस साल की ओणम बम्पर लॉटरी जीती है।

केरल राज्य लॉटरी विभाग ने रविवार को दोपहर 2 बजे ओणम बम्पर 2022 के परिणामों की घोषणा की। ओणम बंपर 2022 का पहला पुरस्कार 25 करोड़ रुपये था। पहला पुरस्कार तिरुवनंतपुरम के श्रीवरहम के एक ऑटो चालक को मिला है।

अनूप एक ऑटोरिक्शा चालक है और पहले एक होटल में शेफ के रूप में काम करता था। अनूप ने शनिवार रात भगवती एजेंसी से लाटरी टिकट खरीदा था। केरल लॉटरी के अनुसार, अनूप का टिकट नंबर टीजे 750605 था, जिससे उन्हें ?25 करोड़ मिले। टैक्स कटौती के बाद उन्हें 15 करोड़ 75 लाख रुपये मिलेंगे।

एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, अनूप इस पुरस्कार पाने के बाद उत्साह से भरा हुआ है। पहले वह एक होटल में शेफ के तौर पर काम कर रहा था और शेफ के तौर पर काम करने के लिए मलेशिया जाने की योजना बना रहा था। उसने लोन के लिए बैंक से संपर्क किया और उसका लोन मंजूर भी हो गया। केरल के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल ने रविवार दोपहर परिवहन मंत्री एंटनी राजू और वट्टियूरकावु विधायक वी के प्रशांत की उपस्थिति में लकी ड्रा निकाला।

इस साल का ओणम बंपर प्राइस केरल लॉटरी के इतिहास में सबसे ज्यादा कीमत है, पहले पुरस्कार के लिए 25 करोड़ और दूसरे के लिए 5 करोड़ रुपये और तीसरे पुरस्कार के रूप में 10 व्यक्तियों के लिए 1 करोड़ रुपये थे।

दूसरी महिला के साथ होटल के बंद कमरे में रंगरेलियां मना रहा था शख्स, तभी अचानक आ धमकी बीवी

आगरा, 20 सितम्बर 2022। एक शादीशुदा शख्स को दूसरी महिला के साथ रंगरेलियां मनाना भारी पड़ गया. हुआ यूं कि शख्स को रोमांस करते उसकी बीवी (नीलम) ने होटल में रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद बौखलाई पत्नी ने चप्पल उतारकर पति की पिटाई शुरू कर दी. इस पूरी घटना का नीलम के भाई ने वीडियो भी बनाया, जो कि सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. ये पूरा मामला दिल्ली गेट इलाके का है. जानकारी के मुताबिक, देवरी रोड निवासी दिनेश अस्पताल में नौकरी करता है. उसकी पत्नी ने नीलम ने आरोप लगाया कि दिनेश का अवैध संबंध एक महिला के साथ है. जब इस बात की भनक उसे लगी तो दोनों के बीच झगड़ा होने लगा. इसी बात से परेशान होकर नीलम मायके जाकर रहने लगी. सोमवार को उसे पता चला कि दिनेश उस महिला के साथ दिल्ली गेट स्थित एक होटल में है. नीलम अपने भाई के साथ तुरंत होटल पहुंची. जैसे ही वह कमरे में गई तो देखा कि दिनेश दूसरी महिला के साथ था. गुस्से में नीलम ने चप्पल से उसकी पिटाई शुरू कर दी. साथ ही दूसरी महिला को भी चप्पल से पीटा.

शख्स को 22 मीटर तक घसीटता रहा रॉटविलर नस्ल का पालतू कुत्ता

गाजियाबाद , 20 सितम्बर 2022। घरों में कुत्ता पालने का शौक कई लोगों को मुसीबत में डाल रहा है। कुत्ता काटने की कई घटनाएं सामने आने के बाद भी मालिकों की लापरवाही के कारण पालतू कुत्तों का इंसानों पर हमला करने का सिलसिला थम नहीं रहा है। गाजियाबाद में रॉटविलर नस्ल का कुत्ता ने आज एक और शख्स पर हमला कर दिया।

दिल्ली एनसीआर के प्रमुख शहर रॉटविलर प्रजाति के कुत्ते ने एक शख्स पर हमला कर उन्हें बुरी तरह से घायल कर दिया। हमले की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि जख्मी शख्स को सर्जरी करवानी पड़ी । बताया जाता है कि पालतू रॉटविलर नस्ल का कुत्ता अचानक से आक्रामक हो गया और शख्स पर हमला कर दिया । कुत्ता उनके पैर को अपने जबड़े में पकड़ कर तकरीबन 20 से 22 मीटर तक घसीटता रहा। इस दौरान उन्हें कुत्ते के चंगुल से छुड़ाने का नाकाम प्रयास भी किया गया। इस घटना के बाद आसपास दहशत का माहौल है।

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला,अब 20 करोड़ से ज्यादा नकद चंदा नहीं जुटा पाएंगे राजनीतिक दल

नई दिल्ली, 20 सितम्बर 2022। केंद्रीय चुनाव आयोग ने एक बड़ा फैसला लिया है। दरअसल राजनीतिक दलों के लिए एक बार में मिलने वाले नकद चंदे की अधिकतम सीमा 20 हजार रुपये से घटाकर 2 हजार रुपये करने का प्रस्ताव दिया है। साथ ही कुल चंदे में नकद की सीमा अधिकतम 20 प्रतिशत या 20 करोड़ रुपये तक सीमित करने की बात भी कही गई है। इसका मकसद चुनावी चंदे को कालेधन से मुक्त करना है। सरकार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने इसे लेकर केंद्रीय विधि मंत्री किरेन रीजीजू को पत्र लिखा है, जिसमें जन प्रतिनिधित्व कानून में कुछ संशोधन की मांग की गई है। आयोग की सिफारिशों का मकसद राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे की व्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता लाना है। आयोग की ओर से यह कदम उस वक्त उठाया गया है, जब हाल ही में उसने 284 ऐसे दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया था, जो नियमों का पालन नहीं कर रहे थे। आयकर विभाग ने हाल ही में कर चोरी के आरोप में ऐसी कई राजनीतिक इकाइयों के ठिकानों पर छापे भी मारे थे। मौजूदा नियमों के अनुसार, राजनीतिक दलों को 20 हजार रुपये से ऊपर वाले सभी चंदों का खुलासा करना होता है और आयोग के समक्ष इस बारे में रिपोर्ट देनी होती है। सूत्रों ने कहा कि अगर आयोग के इस प्रस्ताव को विधि मंत्रालय की मंजूरी मिल जाती है तो 2000 रुपये से अधिक सभी चंदों के बारे में राजनीतिक दलों को जानकारी देनी होगी, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी। आयोग ने यह सिफारिश भी की है कि किसी भी राजनीतिक दल को मिले कुल चंदे में नकद अधिकतम 20 प्रतिशत या 20 करोड़ रुपये होना चाहिए। निर्वाचन आयोग यह भी चाहता है कि चुनावों के दौरान उम्मीदवार चुनाव के लिए अलग से बैंक खात खोलें और सारा लेनदेन इसी खाते से हो।

आरएसएस कार्यकर्ता की हत्या के मामले में पीएफआई नेता गिरफ्तार, निशाने पर थे कई और बड़े नेता

नई दिल्ली/पलक्कड़, 20 सितम्बर 2022। केरल पुलिस ने आरएसएस नेता श्रीनिवासन की हत्या के मामले में पापुलर फ्रंट आफ इंडिया के पलक्कड़ जिला सचिव अबूबकर सिद्दीक को गिरफ्तार किया है। बता दें कि आरएसएस नेता की केरल में पिछले साल 16 अप्रैल को हत्या कर दी गई थी। उनकी हत्या के बाद आरएसएस और बीजेपी ने पीएफआई पर हत्या का आरोप लगाया था।

अबूबकर सिद्दीक ने पुलिस से पूछताछ में कबूला में उसके निशाने पर और भी कई नेता थे। केरल पुलिस ने बताया कि वह कथित तौर पर पीएफआई कार्यकर्ताओं के एक समूह के साथ कई और नेताओं की सूची तैयार करने में शामिल था, जिन्हें निशाना बनाया जाना था। ये नेता इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) की युवा शाखा भाजपा, सीपीआइ (एम) और यूथ लीग के थे।

ई-सिगरेट की जमकर हो रही तस्करी, करोड़ों रुपये की ई-सिगरेट हुई जब्त

नई दिल्ली, 20 सितम्बर 2022। ई-सिगरेट के उपयोग और बिक्री पर भारत में प्रतिबंध है। इसके बावजूद नशेखोरी के लिए ई-सिगरेट की तस्करी जोरों से की जा रही है। नशाखोरी के खिलाफ कार्रवाई के लिए चलाए जा रहे अभियान में आज राजस्व खुफिया निदेशालय को 48 करोड़ रुपये की ई-सिगरेट जब्त करने में बड़ी कामयाबी मिली है।

एक अधिकारी ने कहा कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए कि मुंद्रा पोर्ट के माध्यम से ई-सिगरेट की तस्करी की जा रही थी । एक कंटेनर की पहचान की गई और उसे ट्रैक किया गया। मुंद्रा पोर्ट पहुंचने के बाद कंटेनर का निरीक्षण किया गया।

जांच से पता चला कि सामान को गलत तरीके से फर्श की सफाई करने वाले पोछे में छिपाकर ले जाया जा रहा था। कंटेनर की जांच के दौरान उसके अंदर के सभी कार्टन खोले गए थे। जिसमें पाया गया कि फर्श की सफाई करने वाले कुछ डिब्बों के अलावा, कई बक्से में हाथ की मालिश, राइटिंग पैड और सिलिकॉन पॉप-अप टॉयज भी थे।

48 करोड़ का माल

आगे की खोज से पता चला कि 250 और कार्टन थे, जिनमें 2500 पफ वैरिएंट के ई-सिगरेट के 2 लाख पीस थे। जबकि एक कार्टन में 5000 पफ वैरिएंट के ई-सिगरेट के 400 पीस थे जो कि चीन में बने यूओटोआ ब्रांड के थे। कंटेनर में ई-सिगरेट और अन्य सभी सामान सीमा शुल्क अधिनियम के प्रावधानों के तहत जब्त किए गए थे। अधिकारी ने कहा कि जब्त ई-सिगरेट का बाजार मूल्य करीब 48 करोड़ रुपये होगा।

लड़की को जिंदा जलाने का आरोपी की जली हुई मिली लाश,जेल से जमानत पर निकला था बाहर

कानपुर, 20 सितम्बर 2022। जेल से जमानत पाकर बाहर निकले हत्यारोपी युवक की लाश सचेंडी इलाके की झाड़ियों में जली हई हालत में मिली. घटना से इलाके में हड़कंप का माहौल है. मृतक की शिनाख्त उस लड़के के रूप में हुई है, जिस पर एक लड़की को जलाकर हत्या करने का आरोप लगा था. पूरे मामले में हैरान करने वाला तथ्य यह है कि युवक भी उसी तरह मारा गया, जिस तरह उसने लड़की को जलाकर मारा था.

मृतक अमित के पिता ने लड़की के मां-बाप और और भाई पर उसे जिंदा जलाकर मारने का आरोप लगाया है. मृतक के पिता से मिली तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है. वहीं, लड़की के घरवालों का कहना है कि उनका इस हत्या से कोई लेना-देना नहीं है. बता दें कि 25 अक्टूबर 2021 को अमित और उसकी प्रेमिका पर लड़की को जलाकर मारने का आरोप लगा था.

अमित की जली हुई मिली डेड बॉडी- जानकारी के अनुसार शनिवार 17 सितंबर को अमित अपने घर से नौबस्ता में किसी व्यक्ति का आरओ ठीक करने आया था. देर रात जब अमित घर नहीं लौटा तो परिजनों ने थाना नौबस्ता में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई, लेकिन रविवार 18 सितंबर को सचेंडी इलाके के एक खाली प्लॉट में अमित की जली हुई डेड बॉडी बरामद हुई. अमित की लाश के उपर उसका बैग भी रखा था, जिसमें रखे कागजों के आधार पर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी.

जमानत पाकर निकला था बाहर- अमित के घरवाले मौके पर पहुंचे तो उसकी जली हुई लाश देखकर हैरान रह गए. गौरतलब है कि मृतक अभी एक महीने पहले ही हाईकोर्ट से जमानत पाकर बाहर निकला था. वह कानपुर जेल में ज्योति हत्याकांड की सजा काट रहा था. उस पर 25 अक्टूबर 2021 को अपनी पूर्व सहकर्मी ज्योति मिश्रा की हत्या का आरोप था. ज्योति की लाश जली हुई हालत में चकेरी इलाके में पाई गई थी।

अमित के खिलाफ ज्योति मिश्रा के पिता ने जिंदा जलाकर मारने की एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसके बाद चकेरी पुलिस ने अमित और उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार कर जेल भेजा था. ज्योति हत्याकांड में खुलासा हुआ था कि मृतका ज्योति ने आखिरी कॉल अमित को ही की थी और उसके घरवालों का ये भी आरोप था कि अमित उनकी बेटी पर गलत निगाह रखता था, जिसके चलते उसने ज्योति को जलाकर मार दिया. उसी के बाद अमित जेल की सलाखों के पीछे सजा काट रहा था।

संपादकीय

बेहतर आकलन का सिस्टम बने

भारत सरकार के इस निर्णय को गलत नहीं कहा जा सकता। अधिक से अधिक यह कहा जा सकता है कि अगर सरकार के आकलन और नियोजन का तरीका बेहतर होता, तो दुनिया को ये फैसला औचक महसूस नहीं होता।

भारत ने चावल के निर्यात पर प्रतिबंध इसलिए लगाया, क्योंकि देश के अंदर इसका अभाव होने की आशंका पैदा हुई। इसलिए भारत सरकार के इस निर्णय को गलत नहीं कहा जा सकता। अधिक से अधिक यह कहा जा सकता है कि अगर सरकार के आकलन और नियोजन का तरीका बेहतर होता, तो दुनिया को ये फैसला औचक महसूस नहीं होता। वैसे ही स्थिति भारत के चावल व्यापारी और विदेशी आयातक भी बेहतर प्लानिंग कर सकते थे। बहरहाल, अब खबर है कि भारत की पाबंदी के कारण एशिया में चावल व्यापार लगभग ठप पड़ गया है, क्योंकि भारतीय व्यापारी अब नए समझौतों पर दस्तखत नहीं कर रहे हैं। नतीजतन खरीददार वियतनाम, थाईलैंड और म्यांमार जैसे विकल्प खोज रहे हैं। लेकिन इन देशों के व्यापारियों ने मौके का फायदा उठा कर दाम बढ़ा दिए हैं। दुनिया के सबसे बड़े चावल निर्यातक भारत ने पिछले हफ्ते ही टूटे चावल के निर्यात पर रोक लगाने का एलान किया था। साथ ही कई अन्य किस्मों पर निर्यात कर 20 प्रतिशत कर लगा दिया गया। औसत से कम मॉनसून बारिश के कारण स्थानीय बाजारों में चावल की बढ़ती कीमतों पर लगाम कसने के लिए यह फैसला किया गया है।

भारत दुनिया के 150 से ज्यादा देशों को चावल का निर्यात करता है और उसकी तरफ से निर्यात में आने वाली जरा सी भी कमी उन देशों में कीमतों को सीधे तौर पर प्रभावित करती है। दुनिया पहले पहले से ही खाने के सामान की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि झेल रही है। अब चावल की कमी से दुनिया की यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है।

केवल प्यार ही घृणा को दूर कर सकता है

एक शांतिपूर्ण वातावरण सामंजस्यपूर्ण जीवन सुनिश्चित करता है और आपसी समझ के लिए मार्ग प्रदान करता है। यह समझ बातचीत, चर्चा, क्रॉस-सांस्कृतिक आदान-प्रदान आदि के माध्यम से शांति को और मजबूत करती है। इस प्रकार एक पुण्य चक्र बनाया जाता है। दूसरी ओर, यदि बल द्वारा शांति थोपी जाती है, तो प्रतिस्पर्धी व्यक्तियों, समूहों, राज्यों आदि के बीच अविश्वास और शत्रुता की भावनाएँ पैदा होंगी। यहाँ कोई भी छोटी-सी गलतफहमी संघर्ष में बदल सकती है, जिससे परस्पर विरोधी दलों को नुकसान हो सकता है। इसलिए यह स्पष्ट है कि लंबे समय तक शांति कायम रहने के लिए दूसरे पक्ष के हितों की समझ जरूरी है।

प्रियंका सौरभ
हिसार
हरियाणा

आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा बना देती है। महात्मा गांधी के शब्द हैं जो 21वीं सदी में भी प्रासंगिक हैं। मनुष्य ने हमेशा शांतिपूर्ण और खुश रहने के प्रयास किए हैं - परिवार से लेकर राष्ट्र तक - शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना अनिवार्य है। अनिवार्य रूप से शांति क्या है? यह मानव मन की एक अवस्था के अलावा और कुछ नहीं है, जो आधुनिक विज्ञान के लिए भी पूरी तरह से समझाने के लिए परिष्कृत बनी हुई है। हालाँकि, शांति / निर्वाण / खुशी की उपलब्धि - चाहे वह कोई भी नाम हो, प्राचीन काल से ही अन्वेषण का विषय रहा है। मानव जाति ने बहुत सी लड़ाइयाँ देखी हैं। मवेशियों, भूमि, संसाधनों, उपनिवेशों, क्षेत्रों आदि के लिए लड़ाई। इनमें से अधिकांश लड़ाई प्रतिद्वंद्वियों के बीच गलतफहमी के कारण हुई। इस प्रकार शांति जो मानव जाति के समग्र विकास के लिए आवश्यक है, उसे मायावी बना दिया गया।

एक शांतिपूर्ण वातावरण सामंजस्यपूर्ण जीवन सुनिश्चित करता है और आपसी समझ के लिए मार्ग प्रदान करता है। यह समझ बातचीत, चर्चा, क्रॉस-सांस्कृतिक आदान-प्रदान आदि के माध्यम से शांति को और मजबूत करती है। इस प्रकार एक पुण्य चक्र बनाया जाता है। दूसरी ओर, यदि बल द्वारा शांति थोपी जाती है, तो प्रतिस्पर्धी व्यक्तियों, समूहों, राज्यों आदि के बीच अविश्वास और शत्रुता की भावनाएँ पैदा होंगी। यहाँ कोई भी छोटी-सी गलतफहमी संघर्ष में बदल सकती है, जिससे परस्पर विरोधी दलों को नुकसान हो सकता है। इसलिए यह स्पष्ट है कि लंबे समय तक शांति कायम रहने के लिए दूसरे पक्ष के हितों की समझ जरूरी है।

मनुष्य के प्राचीन अभिलेखों के अनुसार, चाहे वह बाइबिल हो, कुरान हो या वेद, सभी ने सर्वसम्मति से विभिन्न तरीकों से सुझाव दिया है कि शांति केवल प्रेम, करुणा और समझ के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। ज्ञान के ये शब्द समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और हमारे अतीत के पन्नों को पलट कर देखे तो इस तथ्य की पुष्टि की जा सकती है। अभिजात वर्ग कभी भी सफल नहीं हुआ है और न ही कभी युद्ध या विद्रोह किसी समस्या का समाधान रहा है। हिटलर से लेकर सद्दाम तक सभी का कड़ा विरोध किया गया। भारतीय इतिहास पर नज़र डालें तो हम देखते हैं कि उपमहाद्वीप का अच्छा शासन उन शासकों के दिनों में था जो लोगों की समस्याओं और उनकी प्रजा के हितों को समझते थे। यह अशोक के ÷धम्म÷ से अकबर के मुगल दरबार में नियुक्तियों तक स्पष्ट है।

भारत ने हमेशा अहिंसा के अपने उपदेश के लिए दुनिया के सामने एक उदाहरण पेश किया है और उन मुद्दों की खोज करने की रणनीति जो उसके सामने हैं या जिनका सामना करना पड़ रहा है। महान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम ने बिना रक्तपात के प्रतिरोध की एक नई पद्धति का आविष्कार किया और तब से दुनिया ने सत्याग्रह का स्वाद चखा। गुटनिरपेक्ष आंदोलन ने दुनिया को दिखाया है कि, कभी-कभी शांति को मौन के साथ बनाए रखा जा सकता है और जरूरी नहीं कि हर बार एक विशेष पक्ष लिया जाए। पंचशील समझौता अलग नहीं है।

भारत, एक राष्ट्र के रूप में, दुनिया के सामने आसानी से यह साबित कर सकता है कि उसकी अहिंसा और समझ की नीति पूर्वी पाकिस्तान के बांग्लादेश में संक्रमण, आईसीजे के लिए एक भारतीय न्यायाधीश के चुनाव जैसी घटनाओं के साथ बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकती है। भारत ने, यहां तक कि एक विकासशील राष्ट्र होने के नाते, अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने की जिम्मेदारी ली है और इस प्रकार तथाकथित ÷महाशक्तियों÷ में से कई के लिए एक रोल मॉडल होने के नाते एक नैतिक जिम्मेदारी है क्योंकि हम सभी धरती माता पर किरायेदार हैं। इसका सीधा सा अर्थ है कि एक देश के रूप में, एक नागरिक के रूप में और एक साथी के रूप में ÷सामाजिक रूप से जिम्मेदार÷ होना है।

एक देश के रूप में सामाजिक रूप से जिम्मेदार होने की प्रक्रिया के बीच भी, हमारा देश अन्य राष्ट्रों की तरह कई समस्याओं का सामना कर रहा था और कर रहा है। लेकिन अधिक समझदार और जिम्मेदार सरकार और समाज के आधार पर, विभिन्न आंतरिक मुद्दों से निपटने के लिए हमेशा अथक प्रयास किए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के मुद्दों को सरकार द्वारा उनकी समस्याओं के प्रति अधिक समझदार होने से रोका जा सकता है। भारत सरकार की ÷पूर्व की ओर देखो नीति÷ ने निपटान की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है पूर्वी राज्यों में अशांति व्याप्त है। बांग्लादेश के साथ एन्क्लेव समझौता दोनों सरकारों की ओर से अधिक समझदारी भरा कदम रहा है और इसने गंभीर चिंता के मुद्दे को शांति से सुलझा लिया है।

धर्म हमेशा से दंगों का कारण रहा है और इसने समाज में असहिष्णुता के लिए एक वातावरण प्रदान किया है और यह राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर एक चिंता का विषय है। अयोध्या हो या यरुशलम, धर्म ने अपनी भूमिका निभाई है और लोगों को एक-दूसरे से अलग किया है। विडंबना यह है कि जो दुनिया को एक करने का उपदेश देता है वह अब दुनिया को अलग कर रहा है! यदि हम विभिन्न धर्मों के विभिन्न उपदेशों पर करीब से नज़र डालें, तो यह समझा जा सकता है कि वे सभी प्रेम का प्रचार करते हैं और शांति फैलाने का इरादा रखते हैं। ÷अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखो÷, बाइबल कहती है; ÷दयालु की पूजा करो और शांति फैलाओ÷, कुरान कहता है; ÷वसुधैव कुटुम्बकम÷, गीता कहती है और ÷क्रोधित विचारों से मुक्त लोगों को शांति मिलती है÷ बुद्ध कहते हैं।

दुनिया को रहने के लिए एक शांतिपूर्ण जगह बनाने के लिए विश्व स्तर पर प्रयास भी किए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र और इसी तरह के अंतरराष्ट्रीय संगठनों जैसे डब्ल्यूटीओ, आईसीजे और कई अन्य लोगों ने आपसी समझ और आपसी सम्मान के आधार पर दुनिया में बड़े बदलाव किए हैं। ÷नोबेल शांति पुरस्कार÷ एक अभिनव अवधारणा थी जो वैश्विक परिदृश्य में समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखने के व्यक्तिगत प्रयासों को सामने लाती है और पहचानती है। आतंकवाद से लड़ने के वैश्विक प्रयास और आतंकवाद को खत्म करने के लिए बातचीत हमें एक खूबसूरत कल की तस्वीर देती है। पाकिस्तान की 14 साल की मलाला हो या आईसीएएन जैसी सामाजिक संस्था, इन सभी ने मार्टिन लूथर किंग के शब्दों को सही ढंग से प्रतिध्वनित किया, जिन्होंने एक बार कहा था- ÷अंधेरा अंधकार को दूर नहीं कर सकता, केवल प्रकाश ही कर सकता है। घृणा घृणा को दूर नहीं कर सकती; केवल प्यार ही कर सकता है।÷

तुम तक

गरिमा राकेश
गौत्तम गर्विता
कोटा राजस्थान

मेरा सफर तुम तक
मेरे प्रश्न तुम तक
मेरे उत्तर तुम तक
मेरे उजाले तुम तक
मेरे अँधेरे तुम तक
मेरी खुशबू तुम तक
मेरा सुख तुम तक
मेरा दुःख तुम तक
मेरी तृषा तुम तक
मेरी तृप्ति तुम तक
मेरा सावन तुम तक
मेरा बसंत तुम तक
मेरे गीत तुम तक
मेरे स्वर तुम तक
मैं तुम तक.....
मेरी धड़कने तुम तक
मेरा स्वर्ग-नर्क सब तुम तक
तुम मेरे जीवन के माँझी
मेरी साँसों की डोर तुम तक।

मुझसे तुम नाराज रहती हो

प्रमेशदीप
मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़

मेरी जाना क्यू मुझसे तुम
यु नाराज रहती हो
कहना है मुझे कहती,
क्यू सहेली से कहती हो
मेरी जाना क्यू मुझसे
तुम नाराज रहती हो
तेरी चूड़ी तेरे कंगन से
यही आवाज आती है
तेरे इजहारे मुहब्बत की
अहसास दिलाती है
क्यू सीने में प्रेम की सदा
अरमान जगाती हो
मेरी जाना क्यू मुझसे
तुम नाराज रहती हो
तेरे गजरे की ये खुशबु
मुझे मदहोश करती है
तेरे बालो की ये खुली लट
मुझे बेचैन करती है
यु हंस हंस के मुझे
क्यू दीवाना बनाती हो
मेरी जाना क्यू मुझसे
तुम नाराज रहती हो
मुहब्बत की अब हर
इम्तिहान हो गई है
आ भी जाओ अब तो
हर सब्र खो गई है
क्यो रह-रह कर
उल्फत की तूफा उठाती हो
मेरी जाना क्यू मुझसे
तुम नाराज रहती हो
सभी के किस्से मे
मुहब्बत जरूर आती है
वो और बात है की
अधरों से नहीं बताती है
मगर आँखों की हया से
सब कुछ बताती हो
मेरी जाना क्यू मुझसे
तुम नाराज रहती हो
मुहब्बत तो सदा से
अधूरी ही कहानी है
कभी राधा तो कभी मीरा
की जुबानी है
यही किस्सा रह-रह कर
हमें बताती हो
मेरी जाना क्यू मुझसे
तुम नाराज रहती हो

भाजपा ने शुरू की ओबीसी राजनीति

भारतीय जनता पार्टी की राजनीति में नीतीश कुमार इफेक्ट दिखने लगा है। जब से नीतीश कुमार भाजपा से अलग हुए हैं और अगले लोकसभा चुनाव में उनके विपक्ष का साझा उम्मीदवार बनने की चर्चा शुरू हुई है तब से भाजपा सावधान हो गई है। वैसे तो भाजपा के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में नीतीश कुमार से ज्यादा बड़ा पिछड़ा चेहरा है इसक बावजूद भाजपा अन्य पिछड़ी जातियों यानी ओबीसी की राजनीति पर फोकस कर रही है। दो महीने पहले ही 30-31 जुलाई को पटना में भाजपा के सभी सात मोर्चों की बैठक हुई थी, लेकिन नीतीश कुमार के अलग होने के बाद भाजपा ने ओबीसी मोर्चे की अलग बैठक बुलाई। आठ से 10 सितंबर तक राजस्थान के जोधपुर में भाजपा ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई, जिसके समापन कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए।

उससे पहले भाजपा ने अपनी सर्वोच्च ईकाई संसदीय बोर्ड का पुनर्गठन किया तो पार्टी के ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष के लक्ष्मण को उसमें शामिल किया गया। इसी साल पार्टी ने उनको उत्तर प्रदेश से राज्यसभा में भी भेजा है। ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के बाद अब पार्टी का पूरा फोकस ओबीसी समुदाय के बीच जाने और उन्हें यह बताने का है कि प्रधानमंत्री मोदी उनके लिए क्या कर रहे हैं। लक्ष्मण ने कहा है कि इसकी शुरुआत गुजरात और हिमाचल प्रदेश से होगी, जहां अगले दो-तीन महीने में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। भाजपा इस बात का प्रचार कर रही है कि प्रधानमंत्री मोदी ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। उत्तर प्रदेश की 17 ओबीसी जातियों को एससी में शामिल करने का फैसला किया गया था, लेकिन अदालत ने उसे खारिज कर दिया है क्योंकि एससी की सूची में बदलाव का अधिकार सिर्फ केंद्र को है। सो, उम्मीद की जा रही है कि जल्दी ही केंद्र यूपी सरकार के इस प्रस्ताव को मंजूरी देगा।

नौकरियों में आरक्षण खत्म हो

सर्वोच्च न्यायालय में आजकल आरक्षण पर बहस चल रही है। उसमें मुख्य मुद्दा यह है कि आर्थिक आधार पर लोगों को नौकरियों और शिक्षा-संस्थानों में आरक्षण दिया जाए या नहीं? 2019 में संसद ने संविधान में 103 वाँ संशोधन करके यह कानून बनाया था कि गरीबी की रेखा के नीचे जो लोग हैं, उन्हें 10 प्रतिशत तक आरक्षण दिया जाए। यह आरक्षण उन्हीं लोगों को मिलता है, जो अनुसूचित और पिछड़ों को मिलनेवाले आरक्षण भी शामिल नहीं हैं। याने सामान्य श्रेणी या अनारक्षित जातियों को भी यह आरक्षण मिल सकता है। उसका मापदंड यह है कि उस गरीब परिवार की आमदनी 8 लाख रु. साल से ज्यादा न हो। याने लगभग 65 हजार रु. प्रति माह से ज्यादा न हो।

एक परिवार में यदि चार लोग कमाते हों तो उनकी आमदनी 16-17 हजार से कम ही हो। ऐसा माना जाता है कि गरीबी रेखा के नीचे जो लोग हैं, उनकी संख्या 25 प्रतिशत के आस-पास है याने लगभग 30 करोड़ है। इन लोगों को आरक्षण देने का विरोध इस तर्क के आधार पर किया जाता है कि देश के ज्यादातर गरीब तो अनुसूचित लोग ही हैं। यदि ऊँची जातियों के लोगों को गरीबी के नाम पर आरक्षण दिया जाएगा तो जो असली गरीब हैं, उनका हक मारा जाएगा। इसके जवाब में जजों ने पूछा है कि यदि इस आरक्षण में आरक्षितों और पिछड़ों को भी जोड़ लिया जाए तो आरक्षण की सारी मलाई ये वर्ग ही साफ कर लेंगे। अभी तक कानून यह है कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं दिया जाए।

ऐसे में एक तर्क यह भी है कि गरीबों को दिया गया आरक्षण अनुसूचितों के लिए नुकसानदेह होगा। वास्तव में सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों की नौकरियों में किसी भी आधार पर आरक्षण देना उचित नहीं है। ऐसे आरक्षणों में योग्यता दरकिनार कर दी जाती है और अयोग्य लोगों को कुर्सियां थमा दी जाती हैं। इसके फलस्वरुप सारा प्रशासन अक्षम हो जाता है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। नौकरियों में भर्ती का पैमाना सिर्फ एक ही होना चाहिए। वह है, योग्यता! देश के प्रशासन को सक्षम और सफल बनाना हो तो जाति और गरीबी, दोनों के नाम पर नौकरियों में दिए जानेवाले आरक्षणों को तुरंत खत्म किया जाना चाहिए। उसकी जगह सिर्फ शिक्षा में आरक्षण दिया जाए और वह भी 60-70 प्रतिशत हो तो भी उसमें भी कोई बुराई नहीं है। इस आरक्षण का सिर्फ एक ही मानदंड हो और वह हो गरीबी की रेखा! इसमें सभी जातियों के लोगों को समान सुविधा मिलेगी। समस्त आरक्षित छात्र-छात्राओं को निशुल्क शिक्षा और संभव हो तो भोजन और निवास की सुविधा भी मिलनी चाहिए। जो बच्चे परिश्रमी और योग्य होंगे, वे नौकरियों में आरक्षण की भीख क्यों मांगेंगे? वे स्वाभिमानपूर्वक काम करेंगे। वे हीनताग्रंथि से मुक्त होंगे।

-वेद प्रताप वैदिक-

अंतर्मन की व्यथा

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

आखों मे देखो तुमको मेरे
अंतर्मन की व्यथा मिलेगी
टूटे सपनों के टुकड़ों में
घायल मनकी कथा मिलेगी
इतने पर भी दिल दीवाना जाने कैसी आस लगाए
छोड़ गये थे जिन राहों पे
विरह भटकती यथा मिलेगी
कोरे कागज पर जो तुमने
शब्द लिखे थे आड़े टेढ़े
अब भी रखा है सहेज के
वही लिखावट जथा मिलेगी
मन सागर जाने कितने पश्नों का तूफान समेटे
यादों की लहरों ने देखो
दिल को कितना मथा मिलेगी
अपनी बातों से तुमने जो दिल में प्रीत जगाई थी
अब प्रकाश फैला आतम में
जलती ज्योती प्रथा मिलेगी

सनमकदा

प्रियंका
अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

तुम्हें बुत सा पूजा, ख़ुदा कर दिया
मोहब्बत को ही अलहदा कर दिया
तेरी बाज़ुओं में यूँ सिमटे कि बस
तेरी बाज़ुओं को रिदा कर दिया
ज़ुल्फ़ों के ख़म में उलझते गए
दिल को तुम्हीं पे फ़िदा कर दिया
माँगते तुझ ही को रहे हम सदा
दिल की दुआ को सदा कर दिया
गाये जो ÷गीत÷ वस्ल-ओ-इश्क़ के
दैर-ओ-हरम सनमकदा कर दिया

कुंडियां मन के कठघरों की

ओमप्रकाश बिन्जवे
राजसागर
भोपाल मध्यप्रदेश

साहिल चुप,सागर में हलचल लहरों की।
कौन हिला रहा कुंडियां मन के कठघरों की।
उन्हें नींद नही आती, मखमली बिस्तरों पे,
खुश है वो छत टपकती है जिन के घरों की।
शहीद तो दफन हुए है नींव के पत्थरों में,
तमाम झूठे चेहरे जीनत बने दीवारों की।
हर चेहरे पे मुखौटे,कोई कैसे पहचाने,
आधी राह में लुट गई, डोली बहारों की।
बस दूर दूर की दुआ सलाम बाकी है सागर,
ये नई रवायत है इन उजले शहरों की।

मध्यप्रदेश सरकार पर ऋण का बोझ

अब विधानसभा या संसद के अधिवेशन छोटे से छोटे होते जा रहे हैं । फिर भी विधायकों और सांसदों की भाव बढ़ते जा रहे हैं । पिछले सत्र में लोकसभा और राज्यसभा वाक् आउट और हंगामे के कारण ज्यादातर समय स्थगित रहा । ज्यादातर बिल बिना बहस के पास हो गये । अभी मध्यप्रदेश में विधानसभा सत्र के लिए मात्र पॉच दिन निर्धारित थे, वे भी पूरे नहीं हुए और तीन दिन बाद ही विधानसभा का सत्र निलम्बित हो गया । इससे न तो जरूरी बिलों पर बहस हुई, न ही विपक्ष को अपनी बात कहने का मौका मिला । हमनें खानपान, रहन सहन, सोच-विचार में पश्चिम कीनखल करना सीख लिया है, पर विपक्षहीन सत्ता का सुख भोगना चाहते हैं । वैस्ट मिनिस्टर मॉडल जिसे हम भारतीय संसद में अपनाना चाहते हैं, वहॉ विपक्ष का भी शैडो केबिनेट होती हैं । विपक्ष की शैडो केबिनेट के स्वयं घोषित मंत्रियों को भी सत्ताधारी दल के मंत्रियों जैसा सम्मान मिलता है । उनके भी अपने दफ्तर होते हैं और अपने विषय के बारे में सारे ऑकड़े उनके पास होते हैं । संसद या विधानसभा कोई दंगल नहीं है जहॉ पक्ष और विपक्ष में द्वन्द्व युद्ध हो, पर आज तो स्थिति यही है । एक चीफ़ मिनिस्टर दूसरे दल के चीफ़ मिनिस्टर की भरपूर आलोचना करता है । केन्द्रीय मंत्री विपक्ष के दलों की राज्य सरकारों को भरपूर कोसते हैं और अब तो दल-बदल का खेल शुरू हो गया है ।

अभी कॉग्रेसी विधायक बाला बच्चन के एक प्रश्न के उत्तर में बतलाया गया कि मध्यप्रदेश सरकार हर महीने पॉच हजार करोड़ का लोन (उधार) ले रही है । इस समय सन् 2021-2022 के संशोधित आंकलन के अनुसार मध्यप्रदेश सरकार पर 54911 करोड़ का उधार है । यह उधार बाजार से, नेशनल रूरल एण्ड एग्रीकल्चर बैंक, नेशनल कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कार्पोरेशन, रिजर्व बैंक, सेंट्रल गर्वनामेन्ट, सेन्ट्रल सेविंग्स आदि से लिया गया है ।

मार्केट से 174373 करोड़ का कर्जा लिया गया है । कार्पोरेशन और बोर्ड से 7360 करोड़ कर्जा लिया गया है । फाइनेंसियल इंस्टीट्यूशनों से 12158 करोड़ कर्जा लिया गया है । केन्द्रीय सरकार से 44675 करोड़ कर्जा लिया गया है । दूसरे अन्य से प्राप्त उधार का भार 22209 करोड़ है । स्पेशल सिक्योरिटी से 34757 करोड़ कर्जा लिया गया है । इस प्रकार मध्यप्रदेश के प्रति नागरिक पर 37,000 का कर्जा है । पिछले छः साल में प्रत्येक नागरिक पर यह कर्जा दुगना हो गया है । छः साल पहले प्रत्येक नागरिक पर यह कर्जा लगभग 18 हजार था ।

जिस प्रकार समारोहों, उत्सवों, मत्रियों और मंत्री समकक्ष कारपोरेशनों के अध्यक्षों पर वेतन, सुविधा आदि का बढ़ता खर्चा हो रहा है, उससे एक दिन सरकार दिवालिया घोषित कर दी जायेगी । यह करामात तब है जबकि दावा है कि मध्यप्रदेश में स्वर्ग उतर आया है क्योंकि डबल इंजन सरकार है ।

असल में यह %डबल इंजन सरकार% शब्द ही भारत की विविधता के विपरीत है । भारत के संविधान में भारत को %राज्यों का यूनियन% बतलाया गया है । अतः संविधान निर्माताओं ने सोच रखा था कि भारत विविधताओं से भरा देश है, फिर भी यहॉ एक दल का वर्चस्व नहीं रहेगा । तब कॉग्रेस पार्टी का एकछत्र प्रभाव था । फिर भी संविधान निर्माताओं ने भारत की विविधता पर ध्यान दिया था । क्षेत्रीयता, भाषा, बोली, खान-पान, पहनावा, सोच, स्थानीय अस्मिता के कारण यह सोचा गया कि भारत में मात्र एक पार्टी का वर्चस्व नहीं रहेगा । परन्तु अब इसके विपरीत भारत को राष्ट एक पार्टी बनाया जा रहा है । ऐसा कम्युनिस्ट देशों में ही होता है जहॉ पार्टी कोई एक राजनैतिक पार्टी का राज होता है और पार्टी कार्यकर्ता मंत्री से ज्यादा महत्व रखते हैं । चीन में ऐसा ही है । दुनिया में अन्य कम्युनिस्ट देशों में भी ऐसा देखा जा सकता है ?

फिर रेवड़ी कल्चर क्या है ? समारोहों में दिखावे के लिए जिस तरह पैसा बहाया जाता है, उसको पूछने वाला कोई नहीं है ।

-अजय दीक्षित-

समरकंद में भारत की नई विदेश नीति का सफलतम आगाज

भारत ने चीन और पाकिस्तान को रखा अलग-थलग

संजीव ठाकुर,
रायपुर
छत्तीसगढ़

उज़्बेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन की अति महत्वपूर्ण बैठक में भारत ने अपनी नई दमदार विदेश नीति का आगाज किया है। भारत अब वो पुराना भारत नहीं रहा है। इस बात को दुनिया के सामने इस संगठन की बैठक में भारत ने बड़ी मजबूती के साथ रखा है। भारत की विदेश नीति के तहत भारत किसी एक मजबूत राष्ट्र का सहारा ना लेकर रूस और अमेरिका को एक ही तराज़ू में तौल रहा हैद्य भारत की नई कूटनीति तथा विदेश नीति की धमक अब स्पष्ट रूप से इस संगठन की बैठक में दिखाई दी हैद्य भारत में अपनी कूटनीति के चलते बैठक में उपस्थित चीन तथा पाकिस्तान को दरकिनार कर पूरे विश्व को समझा दिया है की चीन और पाकिस्तान दुनिया में अलग-थलग पड़ गए हैंद्य इसी तरह यूक्रेन के मामले में भारत में रूस के व्लादिमीर पुतिन को साफ साफ शब्दों में वैश्विक शांति की बातें समझाइ हैद्य अमेरिका को भी भारत में समझा दिया है की रूस और यूक्रेन मामले में वह अमेरिकी दबाव में ना आकर वाह रूस को मौन समर्थन देना नहीं छोड़ेगा औ्र इसके अलावा रूस से अपने व्यवसायिक रिश्ते बनाकर क्रूड आयल, डीजल तथा पेट्रोल की खरीदी निरंतर जारी रखेगाद्य उल्लेखनीय है कि भारत ने विगत 3 वर्षों से अपनी विदेश नीति कुछ इस तरह निर्धारित की है कि जिसमें बड़े राष्ट्रों पर केंद्रित न होकर वह हर राष्ट्र से संबंध बनाकर वैश्विक जगत में अपनी नई स्वतंत्र विदेश नीति का आगाज करने जा रहा हैद्य आने वाले समय में भी भारत की विदेश नीति एवं भारतीय गणतंत्र एक नई विदेश नीति लेकर उभरेगा।

भारत को संभवत शंघाई सहयोग संगठन और द्द20 तथा संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद जैसे महत्वपूर्ण संगठनों में अध्यक्षता का अवसर भी मिलेगा क्योंकि आने वाले वर्ष में भारत वर्ष में ही शंघाई संगठन सहयोग और जी-20 की महत्वपूर्ण बैठक है आयोजित होने वाली हैं। जी 7 देशों में भी जर्मनी तथा कुछ अन्य देश इस समूह में भारत को शामिल करना चाहते हैं। इस तरह इन देशों के समर्थन से भारत जी 7 का महत्वपूर्ण हिस्सा भी बन सकता है। स्वतंत्रता के बाद से ही भारत ने अपने को स्वतंत्र विदेश नीति का पोषक बना कर रखा है और विगत वर्षों से भारत ने अपने को एक गुट निरपेक्ष राष्ट्र की तरह वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया है। रूस यूक्रेन युद्ध तथा ताजा ताजा चीन ताइवान तथा अमेरिकी द्वंद में भारत में अपनी स्वतंत्र विदेश नीति के तहत एक अलग मध्यम मार्ग बनाए रखा है। रूस यूक्रेन युद्ध में अंतरराष्ट्रीय दबाव में न आकर भारत ने रूस की निंदा से परहेज कर अपने व्यापारिक संबंध रूस से बनाए रखे हैं एवं अमेरिकी दबाव से बाहर आकर भारत ने नाटो देशों का भी समर्थन नहीं किया है। यह घटना भारत की एक बड़ी कूटनीतिक सफलता के रूप में सामने आई है । भारत में इस संगठन की बैठक के दौरान यह स्पष्ट रूप से बता दिया है कि जो देश उसके साथ जिस तरह का व्यवहार करेगा भारत उसे उसी तरह से जवाब देने में सक्षम है चीन को भी स्पष्ट रूप से भारत ने चेतावनी दी है कि यदि वह एल,ए,सी तथा लद्दाख में किसी भी तरह की दखलअंदाजी करेगा तो भारत इसे बर्दाश्त नहीं करेगा एवं यदि वह दोस्ती की पहल करता है तो भारत दो कदम आगे आकर वार्ता में शामिल होने का तैयार है। भारत ने स्पष्ट रूप से रूस को यह समझा दिया है कि उसकी पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकी रास नहीं आ रही है, इसी तरह अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को किसी भी तरह की सहायता दिए जाने का खुलकर विरोध करेगा। भारत ने अपनी विदेश नीति तथा कूटनीति को साफ कर दिया है ,वह जहां शंघाई संगठन का खास सदस्य है जो अमेरिका का घोर विरोधी माना जाता है दूसरी तरफ वह 5 देशों वाले मजबूत संगठन क्वाड का भी हिस्सा है जो स्पष्ट रूप से चीन का विरोधी संगठन माना जाता है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह देश के हितों के नफा और नुकसान देखकर अपने संबंध अन्य देशों से स्थापित करेगा। भारत वैश्विक स्तर पर विश्व के अनेक देशों से अपने अलग-अलग व्यवसायिक एवं राजनैतिक रिश्ते बनाने में विश्वास रखता है। भारत की स्वतंत्र विदेश नीति इस बात से भी स्पष्ट हो जाती है कि भारत द्द20 जैसे संगठन का सदस्य भी है जिसमें अमेरिका चीन जैसे परंपरागत घोर विरोधी अमेरिका तथा चीन भी अहम सदस्य हैं। आने वाला वर्ष भारत की नई विदेश नीति और कूटनीति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण इसलिए होने वाला हैं कि भारत जी 20 तथा शंघाई संगठन की मेजवानी कर अध्यक्षता करेगा और इन समूहों तथा बैठकों में अपने मनपसंद तथा मित्र देशों को बुलाने का अधिकार भारत के हाथ में ही होगा।ऐसे में भारत नए और मजबूत भारत के रूप में उभरेगा इसके अलावा भारत द्द20 देशों की बैठक में बांग्लादेश, नीदरलैंड ,मिश्र ,मॉरीशस ,संयुक्त अरब अमीरात ,नाइजीरिया ,ओमान, सिंगापुर और स्पेन को बुलाकर उनसे विचार-विमर्श करने की बहुत बड़ी तथा महत्वकांक्षी योजना बनाई है क्योंकि इन देशों के शामिल होने से भविष्य में एक नया परिदृश्य उभरने की संभावना बनती है। भारत में वैश्विक स्तर पर अपनी नई को अपनी तथा विदेश नीति के चलते एक नए भारत को दुनिया के सामने पेश करने की पेशकश की है। भारत में भविष्य देश के अंदर तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उज्जवल होने की संभावना को एक नई दिशा मिलने की संभावना बन रही है।

प्रेम सुधा

प्रीति चौधरी
मनोरमा
बुलंदशहर उत्तरप्रदेश

प्रेम सुधा अंतर में भरकर,
बैर मिटाते हम जाएँ।
आज सजाकर सुर की सरिता,
गीत मधुर मिल हम गाएँ।
राग बने यह जीवन सुख का,
प्रेम सदा मन में भरना।
चाहे समय रहे कैसा भी,
धीर अनूठी मन धरना।
धीरज की बहती धारा में,
घाव पुराने धुल जाएँ।
आज सजाकर सुर की सरिता,
गीत मधुर मिल हम गाएँ।।
दोष विकारों को अब तजकर ,
प्रीति खजाना उर भर लें।
करके दीन-दुखी की सेवा,
करुणा से अंतस भर लें।
गात धरा का कबसे जलता,
प्रेमिल घन बन नभ छाएँ।
आज सजाकर सुर की सरिता,
गीत मधुर मिल हम गाएँ।।
अधरों पर सजती हो सरगम,
गीत सुहाना यह जीवन।
सब प्राणी मिलजुल हों रहते,
पुलकित सुख से हो धड़कन।
जहाँ कहीं में ईश्वर मिलते,
लेकर धरती पर आएँ।
आज सजाकर सुर की सरिता,
गीत मधुर मिल हम गाएँ।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

अभाविप ने विरोध प्रदर्शन कर उच्च शिक्षा मंत्री का दहन किया पुतला

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छत्तीसगढ़ प्रांत द्वारा प्रदेश के प्रत्येक विश्वविद्यालय, महाविद्यालय परिसर के सम्मुख छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने की मांग को लेकर उच्चशिक्षा मंत्री का पुतला दहन किया गया। ज्ञात हो अभाविप प्रारंभ से ही प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्रसंघ चुनाव की मांग कर रहा है और इस संदर्भ में इस वर्ष प्रत्येक महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों में ज्ञापन सौंपा था। अभाविप का सुविचारित मत है कि छात्रसंघ चुनाव के माध्यम से ही समाज के सम्मुख एक शसक्त छात्र नेतृत्व उभर कर सामने आती है जो निकट भविष्य में समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में समाज का नेतृत्व करती है। प्रदेश मंत्री मनोज वैष्णव ने

कहा कि राजस्थान में जिस तरह से छात्र संघ चुनाव हुए और राजस्थान की युवा शक्ति ने जिस तरह से सत्तारूढ़ पार्टी के छात्र संगठन को नकारा उससे छत्तीसगढ़ सरकार डरी हुई है और कहीं पूरे प्रदेश की युवा शक्ति उसे नकार न दे इस डर से वह छात्र संघ चुनावों से पीछे हट रही है, प्रदेश सरकार छात्र शक्ति से डर रही है। जिला संयोजक उज्जवल तिवारी ने कहा कि अभाविप विद्यार्थियों के अधिकार के लिए सैदव संघर्षरत रही है हम विद्यार्थियों के अधिकार का हनन नहीं होने देंगे। इसी को लेकर मंगलवार को पीजी कॉलेज अंबिकापुर के सम्मुख विद्यार्थियों संग अभाविप अंबिकापुर द्वारा उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल का पुतला दहन कर विरोध दर्ज किया गया। जिसमें मुख्य रूप से यशराज सिंह, आर्यन गुप्ता, रोहन मंडल, योगेश सिंह, राकेश गुप्ता, अंश पांडे, यश विशाल, अंकित, अकाश, आजाद, सचिन, करण एवं अन्य छात्रों उपस्थित रहे।

परोपकार के कार्यों में अग्रवाल समाज हरदम आगे:अमरजीत भगत

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। अग्रसेन जयंती 2022 के पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर मुख्य अथिति के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, विशिष्ट अतिथि के रूप में सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अजय बंसल, सीनियर सिटिजन फोरम के अध्यक्ष विष्णुप्रताप अग्रवाल के उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रसेन के छाया चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के शुरुआत सभा के अध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं सभी पदाधिकारीयों कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा सभी अथितियों का अग्रसेन के दुपट्टे एवं पुष्प माला से स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि अग्रवाल समाज परोपकार के कामों में हरदम आगे रहा है वो सामाजिक काम में हमेशा आगे रहते हैं। उनके बिना समाज में कल्पना करना ही मुश्किल है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों को जयंती की बधाई ओर शुभकामनाएं दी। इसके पश्चात मंचासीन अतिथियों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों और समाज के होनहार छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक प्रतिभा प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में समाज द्वारा अथितियों को शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इस अवसर पर अग्रवालसभा के अरविंद सिघनिया , राजीव अग्रवाल (राजू) किशन सल्तनिया, जगदीश अग्रवाल उपाध्यक्ष, अशोक अग्रवाल , अरविंद अग्रवाल कोषाध्यक्ष, विकाश अग्रवाल महासचिव, संजय गोयल मीडिया प्रभारी, लेखराज अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, कन्हैया लाल अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, पवन लोहिया, संजय गणित, श्रीनिवास केडिया, अशोक अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, घनश्याम गर्ग, अमित अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, किसन अग्रवाल, आशीर्वाद कौशल सिंघल एवं अग्रवाल महिला सभा की अध्यक्षा लक्ष्मी अग्रवाल, संगीता रितु केडिया, कोमल सल्तनिया, अग्रवाल युवा मंच के अध्यक्ष ऋषभ गर्ग, आशीष अग्रवाल, राहुल गर्ग, संजय जलान, मुकेश सिंघल, तनिष्क अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल, यश अग्रवाल, राहुल गर्ग उपस्थित रहे।

शराब के नशे में पहाड़ी कोरवा युवक ने कीटनाशक सेवन कर दी जान

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। शराब के नशे में पहाड़ी कोरवा युवक ने कीटनाशक सेवन कर आत्महत्या कर ली। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया था। जानकारी के अनुसार अटल कोरवा पिता विपता कोरवा उम्र 25 वर्ष चंपानगर थाना कुसमी का रहने वाला था। वह शराब पीने का आदी था। 19 सितंबर की सुबह शराब के नशे में अज्ञात कारण से कीटनाशक सेवन कर लिया।

जानकारी मिलने पर परिजन उसे इलाज के लिए कुसमी अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतद इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान 20 सितंबर की रात उसकी मौत हो गई।

शौच जाने के दौरान महिला को सांप ने डसा,इलाज के दौरान मौत

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। शौच जाने के दौरान एक महिला को सांप ने डस लिया। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शीला देवी पति विरेन्द्र गुप्ता उम्र 25 वर्ष रामचन्द्रपुर थाना क्षेत्र के ग्राम ओरंगा का रहने वाली थी। वह 13 सितंबर की सुबह शौच के लिए बाहर गई भी तभी दाहिने पैर में सांप ने उसे डंस लिया। सूचन पर परिजन उसे इलाज के लिए

रामानुजगंज अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए बलरामपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। यहां भी महिला के स्थिति में कोई सुधार नहीं होने पर चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया था। यहां इलाज के दौरान 20 सितंबर की शाम उसकी मौत हो गई।

काम के दौरान दीवार गिरने से जख्मी मजदूर की मौत

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। काम करने के दौरान मजदूर पर दीवार गिर जाने से एक मजदर गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दिलवत पिता दिरगंज उम्र 38 वर्ष कोरिया जिले के मनेन्द्रगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम झगड़ाखाड़ का रहने वाला था। वह 15 सितंबर को गांव के ही दिन सिंह के साथ मजदूरी करने मनेन्द्रगढ़ गया था। यहां काम करने के दौरान दीवार दिलवंत के ऊपर गिर गया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मनेन्द्रगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर परिजन मनेन्द्रगढ़ अस्पताल पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

फुटबॉल क्लब बकालो व कांति प्रकाशपुर की टीम ने 2-0 गोल से जीता अपना मैच

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। गांधी स्टेडियम में चल रहे सरगुजा फुटबॉल लीग प्रतियोगिता के अंतर्गत मंगलवार को दो मैच खेले गए। प्रथम मैच फुटबॉल क्लब बकालो और रॉक स्टार क्लब कर्रा के बीच खेला गया। दूसरा मैच न्यू फ्रेन्डस फुटबॉल क्लब कंचनपुर व फुटबॉल क्लब कांति प्रकाशपुर के मध्य खेला गया। प्रथम मैच के प्रथम हाफ में फुटबॉल क्लब बकालो की टीम ने अच्छे तालमेल के साथ खेलते हुए सीमोन लकड़ा तथा संदीप एक्का ने एक-एक गोल कर प्रथम हाफ में ही 2-0 से आगे थी। मैच के दूसरे हाफ में कर्रा की टीम ने वापसी करने का काफी प्रयास किया पर गोल करने में सफल नहीं हो पाई। इस तरह फुटबॉल क्लब बकालो ने 2-0 से कर्रा की टीम को हरा दिया।

दूसरे मैच कंचनपुर व कांति प्रकाशपुर के मध्य खेला गया। प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने एक दूसरे के गोल पर गोल

करने की कोशिश की पर सफल नहीं हुए। मैच के दूसरे हाफ में कांति प्रकाशपुर की टीम ने मौका पा कर एक गोल कर टीम को 1-0 से बढ़त बना ली। इसके थोड़ी ही देर बाद पुनः दूसरा गोल कर कांति प्रकाशपुर की टीम ने 2-0 से बढ़त बना लिया। इसके बाद कंचनपुर की टीम ने गोल करने की काफी कोशिश की पर सफल नहीं हुआ। इस तरह कांति प्रकाशपुर की टीम ने कंचनपुर को 2-0 से हरा कर अगले राउन्ड में प्रवेश किया। वहीं 21 सितंबर को जेएसवी सुभाषनगर अंबिकापुर के विरूद्ध हरियरपुर फुटबॉल क्लब परसोड़ी खुर्द के मध्य खेला जाएगा।

सरगुजा का बेहतर प्रदर्शन

बिलासपुर में चल रहे नवभारत फुटबॉल ट्रॉफी प्रतियोगिता में सरगुजा फुटबॉल एकडमी सरगुजा ने गोंदिया महाराष्ट्र को 3-1 गोल से हराकर अगले राउन्ड में प्रवेश किया है। बेहतर प्रदर्शन करने पर सरगुजा फुटबॉल संघ ने सरगुजा फुटबॉल एकडमी के सभी खिलाडियों को बधाई व शुभकमनाएं दी है।

मक्के की फसल के बारे में आदिवासी कृषकों को दी गई जानकारी

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, अजिरमा अम्बिकापुर में संचालित अखिल भारतीय समन्वित मक्का अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत चल रहे अनुसंधान गतिविधियों एवं आदिवासी कृषकों के यहां लगाए गए अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन की निगरानी कार्यक्रम 15 एवं 16 सितंबर को भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान लुधियाना पंजाब के संचालक डॉ. सुजय रक्षित एवं निगरानी दल के सदस्यों डॉ. आरबी दुबे, उदयपुर राजस्थान, डॉ. मंजुलता, करीमनगर तेलंगाना एवं डॉ. एसएस मंडल, सबौर विहार द्वारा किया गया। संचालक एवं निगरानी दल द्वारा वैज्ञानिकों व आदिवासी कृषकों से मौके पर परिचर्चा की गई। साथ ही यहां के कार्यों व प्रयासों की प्रशंसा की गई। संचालक ने आदिवासी कृषकों को आश्वस्त भी किया कि भविष्य में भी इसी तरह से मक्का उत्पादन की तकनीकी हस्तांतरण एवं आदान वितरण का कार्य चलता रहेगा। राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, अजिरमा, अम्बिकापुर में मक्का अनुसंधान परियोजना का संचालन अधिष्ठाता डॉ. आरबी तिवारी के मागर्दशन में एवं मक्का परियोजना प्रभारी डॉ. एसके सिन्हा, मक्का प्रजनक के नेतृत्व में अनुसंधान एवं प्रसार कार्य किया जा रहा है। मक्का अनुसंधान परियोजना के दल में डॉ. आरएस सिदार, अखिलेश कुमार लकड़ा एवं हरीश कुमार पाण्डेय सक्रिय रहे। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के वैज्ञानिक इंजीनियर डॉ. रंजीत कुमार व स्नातकोत्तर वर्ष के छात्र भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय का पहला अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी,अत्यंत गौरव का विषय:कुलपति

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा, अंबिकापुर के कुलपति प्रो अशोक सिंह द्वारा पत्रकारों से विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सभागार में मंगलवार को त्रि-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी सम्बन्धी प्रेस कांफेरेंस किया गया । कुलपति प्रो अशोक सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष दो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के द्वारा आयोजित किया जायेगा । इसी क्रम में इस संगोष्ठी की शुरुआत है । उन्होंने त्रि- दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के विषय में बताते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय का पहला अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी है । इसलिए यह सरगुजा क्षेत्र के लिए अत्यंत गौरव का विषय है । त्रि-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 21 से 23 सितंबर, 2022 को वीरेन्द्र प्रभा होटल- अम्बिकापुर में पूर्वाह्न 10:30 बजे प्रारम्भ होगा, जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय की मा. कुलाधिपति, राज्यपाल महोदया ऑनलाइन माध्यम से करेंगी । इस हेतु विश्वविद्यालय में संगोष्ठी की पूरी तैयारी हो चुकी है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अशोक सिंह ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि त्रि-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भूटान से सुश्री टेशरिंग पेम, दक्षिण अफ्रीका से प्रोफेसर ए.के. मिश्रा, कुवैत से डॉक्टर आरोन राशिद रब्बाह, अमेरिका से सुश्री अलंकृता सिंह, बिलासपुर से प्रोफेसर एच एस होता, रायपुर से प्रोफेसर संजय कुमार, लखनऊ से प्रोफेसर प्रीति मिश्रा, अमरकंटक से प्रोफेसर तरुण कुमार ठाकुर, उड़ीसा से डॉक्टर संतोष कुमार सेठी, दिल्ली से प्रोफेसर बी आर गुप्ता और काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से प्रोफेसर राधेश्याम दुबे, प्रोफेसर मनोज कुमार सिंह, प्रोफेसर प्रभाकर सिंह और प्रोफेसर आशीष कुमार त्रिपाठी आदि विद्वान अपना व्याख्यान देंगे।

उन्होंने बताया कि 21 से 23 सितंबर में प्रत्येक दिन दो सत्र संचालित किया जाएगा, जिसमें कुल 70 प्रतिभागियों द्वारा तीन दिनों में शोध पत्रों का वाचन किया जाएगा और इस अवसर पर शोध संक्षेपिका का विमोचन भी किया जाएगा। उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकि सत्र प्रारंभ किया जाएगा, जिसमें अध्येताओं द्वारा शोध पत्र पढ़े जाएंगे। इस प्रेस वार्ता में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री बिनोद कुमार एक्का और विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राजकुमार उपाध्याय 'मणि' आदि उपस्थित रहे। इसकी जानकारी विश्वविद्यालय के जन सम्पर्क अधिकारी डॉ राजकुमार उपाध्याय मणि ने दी है।

मुकेश को मिला राशन कार्ड व रामचरण को ट्राइसिकल

73 आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। प्रभारी कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जन चौपाल में लोगों की समस्याएं सुनी। राशन कार्ड नहीं बनने की समस्या लेकर आए अम्बिकापुर के जरहागढ निवासी मुकेश प्रजापति को तत्काल राशन कार्ड बनवाकर दिया गया वहीं दरिमा तहसील के ग्राम चिताबहार निवासी दिव्यांग रामचरण टोप्पो की मांग पर ट्राइसिकल दिया गया। प्रभारी कलेक्टर ने जनचौपाल में मिले 73 आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण व त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए । लुण्ड्रा तहसील के ग्राम बरगीडीह निवासी मो. नासिर हुसैन ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में समर्थन मूल्य में धान विक्रय करने के पश्चात भुगतान हो गया है लेकिन राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत अंतर की राशि का एक भी किश्त अब तक नहीं मिला है। ग्राम सकालो निवासी श्री विजय पैंकरा ने बताया कि वह प्राथमिक शाला किशुन नगर में स्वीपर का कार्य किया था जिसका मजदूरी भुगतान नहीं हुआ है और स्वीपर के कार्य के लिए दुबारा काम दिलाने की मांग की है।

तहसील अम्बिकापुर के नवागढ़ निवासी श्री विनय सारथी ने बताया कि राजीव गांधी पीजी कॉलेज अम्बिकापुर में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु आवेदन जमा करने के बाद निर्धारित शुल्क जमा नहीं कर पाने के कारण एडमिशन नहीं हो पाया। उन्होंने एडमिशन कराने की मांग की है। जन चौपाल में अपर कलेक्टर तनुजा सलाम, वनमंडलाधिकारी पंकज कमल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विनय कुमार शुक्ला सहित एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं विभिन्न विभाग के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बाल-बालिका,विशेष गृह एवं नारी निकेतन में शिविर आयोजन

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री आर. बी. घोरे के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री अमित जिन्दल ने बाल संप्रेक्षण गृह, बालिका संप्रेक्षण गृह, विशेष गृह एवं नारी निकेतन अम्बिकापुर का भ्रमण कर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया।

श्री अमित जिंदल ने बाल संप्रेक्षण गृह में बताया कि बालक को निःशुल्क प्रारंभिक शिक्षा का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21-ए में निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार दिया गया है। अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 पारित किया गया जिसकी धारा 3 में प्रत्येक बालक को प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करने का अधिकार है। धारा 5 के अनुसार बिना टीसी के भी प्रारंभिक शिक्षा का अधिकार है। बालिका संप्रेक्षण गृह में किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 30 के उपखंड 13 के तहत लैंगिक रूप से दुर्व्यवहार से ग्रस्त बालकों के पुनर्वास के लिए बाल कल्याण समिति कार्य करेगी। उन्होंने विशेष गृह में कहा कि विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015 भी बालकों के लिए एक मील का पत्थर है जिसमें बच्ची को विधिक प्रतिनिधित्व, उनके साथ अच्छा व्यवहार, उन्हें सुनवाई का अधिकार सुरक्षा का अधिकार, जेल या हवालात में नहीं रखे जाने का अधिकार है। किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 10 का परंतुक इस बारे में स्पष्ट प्रावधान करता है तथा बालक की यदि गिरफ्तारी होती है तो उक्त अधिनियम की धारा 13 के अनुसार उसके माता-पिता या संरक्षक को इस बारे में सूचना दी जायेगी।

श्री जिंदल ने नारी निकेतन में बताया कि छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम 2005 की धारा 5 के अनुसार जो कोई टोनही के रूप में पहचानी गई किसी महिला को शारीरिक या मानसिक रूप से क्षति पहुचाएगा तो वह जुर्माने सहित 5 वर्ष की कठोर कारावास से दण्डनीय होगा। धारा 6 के अनुसार जो कोई यह दावा करता है कि वह टोनही के रूप में पहचानी गई किसी महिला का झाड़ फूंक आदि से ईलाज कर सकता है तो व जुर्माना सहित 5 वर्ष की कठोर कारावास से दण्डनीय होगा। धारा 7 की के अनुसार कोई टोनही के रूप में किसी प्रकार की क्षति कारित की शक्ति रखने का दावा करता है तो वह जुर्माने सहित 1 वर्ष की कठोर कारावास से दण्डनीय होगा।

CMYK

मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति 71 बिलियन डॉलर घटी, मेटावर्स की दुनिया में कदम रखना पड़ा भारी

नई दिल्ली , 20 सितम्बर 2022। मार्क जुकरबर्ग का मेटावर्स की दुनिया में कदम रखना वास्तविक दुनिया में उन्हें महंगा पड़ा है। अमेरिका के लगभग हर अरबपति के लिए यह वर्ष मुश्किलों भरा रहा है। मेटा प्लेटफॉर्म्स आईएनसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जुकरबर्ग की संपत्ति लगभग आधी रह गई है। इस वर्ष उनकी संपत्ति में लगभग 71 बिलियन डॉलर तक घट गई है। जो ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स की ओर से ट्रैक किए गए अल्ट्रा-रिच कैटेगरी में उनकी संपत्ति सबसे ज्यादा घटी है और वे 55.9 बिलियन डॉलर के साथ फिलहाल अरबपतियों की लिस्ट में 20 वें स्थान पर हैं। यह वर्ष 2014 के बाद उनका सबसे निचला स्थान है और वे वाल्टन परिवार के तीन और कोच परिवार के दो सदस्यों के पीछे चले गए हैं।

दो वर्ष पहले जुकरबर्ग की संपत्ति 106 अरब डॉलर थी

बता दें कि 38 वर्षीय जुकरबर्ग दो वर्ष से भी कम समय पहले तक लगभग 106 अरब डॉलर थी। वैश्विक अरबपतियों की सूची में सिर्फ जेफ बेजोस और बिल गेट्स ही उनसे आगे थे। सितंबर 2021 में उनकी संपत्ति 142 बिलियन डॉलर के शिखर पर पहुंच गई थी। उस समय उनकी कंपनी के शेयरों की कीमत 382 डॉलर तक पहुंच गए थे। इसके अगले महीने जुकरबर्ग ने मेटा की शुरुआत की और कंपनी का नाम फेसबुक से बदलकर मेटा प्लेटफॉर्म्स कर दिया। यहां से कंपनी के जैसे बुरे दिन शुरू हो गए और बाजार में कंपनी का खराब प्रदर्शन लगातार जारी है। वर्तमान में यह कंपनी ग्लोबल मार्केट में अपना पैर जमाने के लिए संघर्ष करती दिख रही है।

फरवरी महीने से नहीं बढ़ी है फेसबुक के यूजर्स की संख्या

कंपनी की हालिया कमाई की रिपोर्ट निराशाजनक रही है। फरवरी महीने से कंपनी के मासिक फेसबुक उपयोगकर्ताओं में कोई वृद्धि नहीं दिखी है। कंपनी के शेयरों में भी ऐतिहासिक गिरावट आई है। इसके बाद एक ही दिन में जुकरबर्ग की संपत्ति में 31 बिलियन डॉलर की गिरावट आई, जो कि संपत्ति में अब तक की सबसे बड़ी एक दिवसीय गिरावट थी। टिकटॉक के शॉर्ट-फॉर्म वीडियो प्लेटफॉर्म के जवाब में रील्स पर इंस्टाग्राम का दांव भी उलटा साबित हुआ है। कुल मिलाकर कंपनी का कारोबार उद्योग जगत की आर्थिक मंदी की चिंताओं के कारण कम विपणन खर्च के कारण प्रभावित हुआ है।

मेटावर्स में निवेश के कारण कंपनी के स्टॉक्स टूट रहे

नीधम एंड कंपनी के वरिष्ठ इंटरनेट विश्लेषक लौरा मार्टिन के अनुसार मेटावर्स में कंपनी के निवेश के कारण इसके स्टॉक्स की कीमतें नीचे जा रहीं हैं। जुकरबर्ग ने खुद कहा है कि उन्हें इस बात की आशंका है कि इस परियोजना के कारण अगले तीन से पांच वर्षों में कंपनी एक महत्वपूर्ण राशि खो देगी।

दशहरे से पहले सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा,3 फीसदी बढ़ा डीए

नई दिल्ली ,20 सितंबर 2022। दशहरे से पहले ओडिशा सरकार ने अपने कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 फीसदी का इजाफा किया गया है। अब महंगाई भत्ता 31 फीसदी से बढ़कर 34 फीसदी कर दिया गया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। फिलहाल ओडिशा के सरकारी कर्मचारियों को 31 फीसदी की दर से महंगाई भत्ता मिलता था। अब 3 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद ये 34 फीसदी हो जाएगा। महंगाई भत्ते में हुई ये बढ़ोतरी 1 जनवरी 2022 से लागू होगी। मतलब ये की कर्मचारियों को 8 महीने का एरियर भी मिलेगा। डीए बढ़ोतरी से 4 लाख ओडिशा के सरकारी कर्मचारियों और 3.5 लाख पेंशनभोगियों को फायदा मिलेगा।

राज्य सरकारें लगातार अपने कर्मचारियों के डीए में इजाफा कर रही हैं। लेकिन केंद्रीय कर्मचारी अभी भी अपने महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार इस महीने के आखिरी में केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में चार फीसदी का इजाफा कर सकती है। लेकिन सरकार की तरफ से अभी आधिकारिक रूप से कोई भी बयान नहीं आया है। केंद्रीय कर्मचारियों का डीए में हर छह महीने पर बदलाव होता है। पिछली बार मार्च 2022 में डीए में 3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी। फिलहाल केंद्रीय कर्मचारियों को 34 फीसदी की दर से डीए मिल रहा है।

हरदीप पुरी ने की स्वच्छता स्टार्टअप चुनौती के चिह्नित प्रतिभागियों से की बात

नयी दिल्ली ,20 सितंबर 2022। केन्द्रीय शहरी विकास तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए मशीनीकृत समाधान, ठोस और तरल कचरे का वैज्ञानिक प्रसंस्करण आदि स्टार्टअप्स को नवाचार और उद्यम विकास के लिए बड़े अवसर प्रदान करते हैं।

श्री पुरी ने स्वच्छता स्टार्ट-अप चुनौती के अंतर्गत चुने गए स्टार्टअप्स के साथ बातचीत करते करते हुए स्वछता को बढ़ावा देने की दिशा में समाधान खोजने में शामिल स्टार्ट-अप को सभी सहायता और सुविधा प्रदान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया है।

आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मंत्रालय के स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (एसबीएम-यू) ने एएफडी (एजेंसी फ्रेंकाइसे डि डिवलमपमेंट) और उद्योग तथा आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सहयोग से 27 जनवरी, 2022 को स्वच्छता स्टार्टअप चैलेंज शुरू किया है जिससे अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में विकास स्टार्टअप और उद्यमियों के लिए एक समर्थन करने वाले वातावरण को बढ़ावा दिया जा सके।

इस स्वच्छता स्टार्टअप चुनौती के अंतर्गत चार विषयगत क्षेत्रों, जैसे सामाजिक समावेशन, शून्य डंप (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन), प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन और पारदर्शिता (डिजिटल सक्षमता) के अंतर्गत कचरा प्रबंधन क्षेत्र में स्टार्टअप्स से समाधान मांगे गए थे।

इस चुनौती का उद्देश्य स्टार्टअप्स के 10 विजेता समाधानों को प्रति चयनित परियोजना के लिए 25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता और एक वर्ष की सहायता प्रदान करना है। इसके अलावा, पात्र स्टार्टअप्स को अतिरिक्त प्रोत्साहन भी मिलेगा जिसमें विलग्रो (चैलेंज के लिए कार्यान्वयन भागीदार) से 50 लाख रुपये तक का निवेश और प्रौद्योगिकी भागीदार एमेज़ोन वेब सर्विसेज से 100,000 अमरीकी डालर तक का क्रेडिट और प्रौद्योगिकी सहायता प्राप्त करना शामिल है।

उल्लेखनीय है कि इसके अंतर्गत कुल 244 समाधान प्राप्त हुए थे। जिसमें से शीर्ष 10 को मंगलवार को सम्मानित किया जाएगा। इसमें स्वच्छता स्टार्टअप चैलेंज के सभी स्टार्टअप्स, स्थापित स्टार्टअप, निवेशक, क्षेत्र के पार्टनर, उद्योग विशेषज्ञ, 10 लाख से अधिक की जनसंख्या वाले शहरों के नगर आयुक्त, डीपीआईआईटी, केन्द्र सरकार, एफ़सीआईआई, सीआईआई और अन्य संघों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

37 अरब डॉलर रह गया बांग्लादेश का विदेशी मुद्रा भंडार, एसबीआई ने कहा-रुपये-टका में कारोबार करें निर्यातक

नई दिल्ली, 20 सितम्बर 2022। एसबीआई ने निर्यातकों से कहा है कि वे बांग्लादेश के साथ डॉलर व अन्य बड़ी मुद्राओं में कारोबार करने से बचें। इसकी जगह पर रुपये और टका में व्यापार कर सकते हैं।

बांग्लादेश की 416 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था ऊर्जा और भोजन की बढ़ती कीमतों से जूझ रही है, क्योंकि रूस-यूक्रेन संघर्ष ने अपने चालू खाते के घाटे को बढ़ा दिया है। घटती विदेशी मुद्रा इसे आईएमएफ जैसे वैश्विक उधारदाताओं की ओर मुड़ने के लिए मजबूर करती है। एसबीआई ने 24 अगस्त को अपनी सभी शाखाओं को भेजे पत्र में कहा, हाल में उच्च आयात बिल और डॉलर के मुकाबले बांग्लादेशी टका की कमजोरी से वह विदेशी मुद्रा की कमी का सामना कर रहा है।

भारत-सऊदी अरब में रुपये व रियाल कारोबार में चर्चा

भारत और सऊदी अरब ने रुपये व रियाल में कारोबार करने के साथ रूपे कार्ड एवं यूपीआई में भी कारोबार करने पर चर्चा कर रहे हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के रियाद दौरे पर इस बारे में चर्चा हुई है।

आरबीआई ने 2013 के बाद बेच दिए सबसे ज्यादा डॉलर

आरबीआई ने रुपये की गिरावट थामने के लिए इस साल जनवरी से जुलाई के दौरान 38.8 अरब डॉलर की बिकवाली की है। यह पिछले 9 साल में सबसे ज्यादा है। इस समय यह तेजी से विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग रुपये की गिरावट रोकने के लिए कर रहा है।

शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, अकेले जुलाई में ही 19 अरब डॉलर को बेचा गया है। इसके बावजूद अगस्त में डॉलर की तुलना में रुपया गिरकर रिकॉर्ड 80 के पार पहुंच गया था। हालांकि, अभी यह 79-80 के बीच ही है। आरबीआई ने 2013 में जून-सितंबर के बीच शुद्ध रूप से 14 अरब डॉलर की बिक्री की थी।

अर्थशास्त्रियों ने कहा, आरबीआई का विदेशी मुद्रा भंडार इतना ज्यादा है कि रुपये की कमजोरी को रोकने के लिए यह और ज्यादा डॉलर बेच सकता है।

बालों की सुरक्षा के लिए अब घर में तैयार करें हेयर सनस्क्रीन

लंबे समय तक धूप में रहने से बालों को काफी नुकसान पहुंचता है। इससे बालों का झड़ना, रूखापन और बेजान होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, हेयर सनस्क्रीन आपके बालों को हानिकारक यूवी किरणों के बुरे प्रभावों से बचाने के साथ-साथ इन्हें हाइड्रेशन और पोषण देने में काफी मदद कर सकती हैं। आइये आज हम आपको घर पर ही पांच तरह की हेयर सनस्क्रीन बनाने के बहुत ही आसान तरीके बताते हैं।

अंगूर के तेल और गुलाब जल से तैयार करें हेयर सनस्क्रीन

सामग्रीः शुद्ध अंगूर के एसेंशियल ऑयल की 10-20 बूंदें और 200 मिली गुलाब जल। हेयर सनस्क्रीन बनाने और लगाने का तरीकाः सबसे पहले एक स्प्रे बोतल में दोनों सामग्रियां डालकर अच्छी तरह मिलाएं और उसके बाद किसी बोतल या स्प्रे बोतल में स्टोर करकें रख लें। अब जब कभी घर से बाहर जाना हो तो 20 मिनट पहले तैयार सनस्क्रीन को अपने बालों पर छिड़कें। आप इसे लंबे समय तक फ्रिज में भी स्टोर कर सकते हैं।

व्हाइट टी और लैवेंडर हेयर सनस्क्रीन

सामग्रीः दो सफेद टी बैग्स और लैवेंडर के तेल की 5 बूंदें। हेयर सनस्क्रीन को बनाने और लगाने का तरीकाः सबसे पहले सफेद टी बैग्स से चाय बनाएं और फिर इसे ठंडा करें। इसके बाद एक स्प्रे बोतल में ठंडी व्हाइट टी के साथ लैवेंडर के तेल की बूंदें मिलाएं और जब इसका इस्तेमाल करने वाले हो तो बोतल को अच्छे से हिलाएं। आप इस हेयर सनस्क्रीन का इस्तेमाल रोजाना भी कर सकते हैं।

एलोवेरा और शहद से तैयार करें हेयर सनस्क्रीन

सामग्रीः एक बड़ी चम्मच एलोवेरा, एक चम्मच समुद्री नमक, एक चम्मच नारियल का तेल, एक बड़ी चम्मच शहद और 200 मिली पानी। हेयर सनस्क्रीन बनाने और लगाने का तरीकाः सबसे पहले एक कटोरी में सभी सामग्रियों को डालकर अच्छे से मिलाएं और फिर इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में डालें। ध्यान रखें कि अगर मिश्रण ज्यादा गाढ़ा है तो इसमें थोड़ा और पानी मिला लें। सनस्क्रीन को बालों पर लगाने से पहले अच्छे से हिलाना आवश्यक है।

रसभरी बीज के तेल और एवोकाडो तेल से बनाएं हेयर सनस्क्रीन

सामग्रीः दो बड़ी चम्मच रसभरी बीज का तेल, दो बड़ी चम्मच एवोकाडो का तेल और एक रोजमेरी टी बैग। हेयर सनस्क्रीन बनाने और लगाने का तरीकाः सबसे पहले रोजमेरी टी बैग से चाय बनाएं और इसके ठंडा होने तक इंतजार करें। अब ठंडी रोजमेरी टी को एक स्प्रे बोतल में अन्य सभी सामग्रियों के साथ अच्छी तरह मिलाएं और फिर नियमित रूप से बालों पर इस हेयर सनस्क्रीन स्प्रे का इस्तेमाल करें।

नारियल के तेल, एवोकाडो तेल और एलोवेरा जेल की हेयर सनस्क्रीन

सामग्रीः दो बड़ी चम्मच नारियल का तेल, एक बड़ी चम्मच एवोकाडो तेल, एक बड़ी चम्मच बादाम का तेल, तीन चम्मच एलोवेरा जेल और 40 मिली पानी। हेयर सनस्क्रीन बनाने और लगाने का तरीकाः सबसे पहले एक कटोरी में सभी सामग्रियों को डालकर अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में डालें और बालों पर सनस्क्रीन लगाने से पहले इसकी बोतल को अच्छे से हिलाएं। यह बालों की चमक बरकरार रखने में मददगार है।

स्वास्थ्य के लिए बहुत गुणकारी है थाइम,ये हैं इसके फायदे

एक अनोखी सुगंध से युक्त थाइम एक हर्ब है, जिसका इस्तेमाल तरह-तरह के व्यंजनों के साथ एक औषधी के रूप में किया जा सकता है। इसकी खासियत है कि यह बायोएक्टिव प्लांट कंपाउंड्स और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, इसलिए यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। हो सकता है कि कई लोगों को इसके बारे में न पता हो, इसलिए आज हम इस लेख में बताने जा रहे हैं कि थाइम के इस्तेमाल से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

एक शोध के अनुसार, थाइम मुंहासों से राहत दिला सकता है। दरअसल, इसमें एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-सेप्टिक, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने में मदद कर सकते हैं। वहीं, इसमें खास फैटी एसिड भी मौजूद होते हैं, जो मुंहासों के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। समस्या से राहत पाने के लिए थाइम युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें।

सर्दी और खांसी का इलाज करने में है सक्षम

एंटी-बायोटिक और एंटी-सेप्टिक गुणों से भरपूर थाइम सर्दी और खांसी के लिए एक बेहतरीन प्राकृतिक उपचार है। यही नहीं, इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी मौजूद होते हैं, जो गले की खराश और ब्रोंकाइटिस के इलाज में मदद करता है। 2006 के एक अध्ययन के अनुसार, थाइम के फूल और आइवी की पत्तियों का मिश्रण खांसी और ब्रोंकाइटिस के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

बालों के विकास को बढ़ावा में है मददगार

थाइम स्कैल्प के ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करने में मदद करता है, जिससे बालों के विकास को बढ़ावा मिलता है। एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर थाइम बालों के झड़ने और बालों को कमजोरी होने से भी बचाते हैं। इसके अतिरिक्त, इससे रूसी और खुजली जैसी समस्याएं भी खत्म होती हैं। अगर आप बालों संबंधित समस्याओं से राहत चाहते हैं तो थाइम के तेल और लैवेंडर ऑयल को मिलाकर सिर पर लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें।

हड्डियों को स्वस्थ रखने में है कारगर

विटामिन-के, आयरन, मैंगनीज और कैल्शियम से भरपूर थाइम हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों से बचाने में कारगर है। थाइम में मौजूद गुण हड्डी के फ्रैक्चर के जोखिम को भी कम करते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, जिन महिलाओं ने रोजाना 1,000 मिलीग्राम थाइम का सेवन किया, उन्होंने कैल्शियम या विटामिन-डी3 सप्लीमेंट की तुलना में बेहतर बोन मिनरल डेंसिटी का अनुभव किया।

हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में है सहायक

थाइम हृदय गति को नियंत्रित करने और हाई ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करने में भी प्रभावी है। यह सूजन से भी बचाता है और शरीर के ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है। 2014 के एक अध्ययन के अनुसार, थाइम का अर्क हाई ब्लड प्रेशर वाले चूहों में हृदय गति को कम करने में सक्षम रहा। स्वस्थ हृदय के लिए आप रोजाना थाइम की चाय का सेवन करें।

बढ़ते हृदय रोग-स्ट्रोक का जोखिम कई गुना तक हो सकता है कम,वैज्ञानिकों ने ढूंढ निकाला सबसे आसान तरीका

वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर डालें तो पता चलता है कि इनमें डायबिटीज और हृदय रोगों के मामले सबसे अधिक हैं। आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में डायबिटीज के 53.7 करोड़ और 52 करोड़ से अधिक लोग कई प्रकार के हृदय रोगों से पीड़ित हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि जिस प्रकार से पिछले कुछ वर्षों में लोगों में लाइफस्टाइल की गड़बड़ी से संबंधित मामले तेजी से बढ़ते हुए देखे जा रहे हैं, ऐसे में इन आंकड़ों के और भी बढ़ने की आशंका है। अपने जोखिम कारकों को समझते हुए सभी लोगों को इन गंभीर बीमारियों से बचाव के निरंतर उपाय करते रहने चाहिए, क्योंकि इन दोनों की गंभीर स्थिति जानलेवा हो सकती है।

इस बीच एक हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इन गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव के लिए एक सबसे प्रभावी उपाय को लेकर बड़ा दावा किया है। अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि यदि हम सभी रात की नींद को ठीक कर लेते हैं, यानी कि अगर रात के समय 6-8 घंटे की निर्बाध नींद लेना सुनिश्चित कर लिया जाए तो यह आदत हृदय रोग-स्ट्रोक के जोखिम को कई गुना तक कम करने में मददगार हो सकती है। आइए इस अध्ययन के बारे में विस्तार से समझते हैं।

हृदय रोग और स्ट्रोक का बढ़ता खतरा

फ्रांस स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल रिसर्च (आईएनएसईआरएम) के शोधकर्ताओं ने अध्ययन में पाया कि जो लोग रोजाना रात में अच्छी नींद ले रहे हैं ऐसे लोगों में हृदय रोग-डायबिटीज होने का खतरा कम पाया गया है। अध्ययन के अनुसार, 10 में से नौ अमेरिकी को रात में अच्छी नींद नहीं आती है, जिसके कारण यहां हृदय रोग-स्ट्रोक के साथ लोगों में डायबिटीज की समस्या भी तेजी से बढ़ती हुई देखी जा रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि सभी लोग अच्छी नींद लेने पर ध्यान दें, तो इनमें से दस में से सात को हृदय रोगों से बचाया जा सकता है।

नींद की गुणवत्ता पर ध्यान देने की जरूरत

आईएनएसईआरएम के प्रोफेसर और अध्ययन के प्रमुख लेखकों में से एक डॉ अबूबकारी नांबिमा कहते हैं, दुनियाभर में हृदय रोगों का खतरा बढ़ता जा रहा है, अब यह कम उम्र के लोगों को भी अपना शिकार बनाती जा रही है, इससे बचाव के लिए बच्चों को शुरुआत से ही नींद की गुणवत्ता के महत्व के सेहत पर होने वाले प्रभावों के बारे में बताना चाहिए, जिससे भविष्य में उन्हें इस प्रकार के खतरे से बचाया जा सके। रात की नींद अच्छी करने के लिए कई प्रकार के उपायों को प्रयोग में लाया जा सकता है, यह सभी आयु वाले लोगों के लिए आवश्यक है।

शोध में क्या पता चला?

इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं की टीम ने 7,200 प्रतिभागियों को शामिल किया। अध्ययन में शामिल सभी प्रतिभागी 50 से 75 वर्ष की आयु वाले पुरुष और महिलाएं थीं, इनमें उस वक्त किसी भी प्रकार की हृदय रोगों की समस्या नहीं थी। इनमे से ज्यादातर लोगों में नींद की गुणवत्ता ठीक नहीं थी। हर दो साल में सभी लोगों में कोरोनरी हार्ट डिजीज और स्ट्रोक के खतरे की जांच की गई।

समय के साथ 274 प्रतिभागियों में इस तरह की शिकायतों का पता चला। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों की रात की नींद 4-5 घंटे या उससे कम थी उनमें हृदय रोगों और स्ट्रोक का खतरा 75 फीसदी अधिक पाया गया। वहीं जिन लोगों ने निर्बाध तरीके से 7-9 घंटे की नींद पूरी की उनमें इन रोगों के विकसित होने का जोखिम काफी कम पाया गया।

अध्ययन का निष्कर्ष

अध्ययन के निष्कर्ष में डॉ. नाम्बीमा कहते हैं, हमारा अध्ययन हृदय को स्वस्थ्य को बनाए रखने के लिए अच्छी नींद की आवश्यकता पर जोर देता है। नींद में सुधार करके कोरोनरी हार्ट डिजीज और स्ट्रोक के जोखिम को कम किया जा सकता है। अध्ययन में पाया गया कि अधिकांश लोगों को नींद की कठिनाई होती है, यह उनमें गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है। हृदय रोग दुनियाभर में मृत्यु का शीर्ष कारण है। हृदय को स्वस्थ बनाए रखने के लिए अच्छी नींद के महत्व पर अधिक जागरूकता की आवश्यकता है। सभी लोगों को नींद में सुधार करने की आवश्यकता है, यह हृदय रोग-डायबिटीज के खतरे से बचाने में आपके लिए सहायक हो सकता है।

प्रभारी रेंजर ही विभाग के उच्च अधिकारियों को क्यों पसंद है ?

मजदूरों का सुनने वाला कोई नहीं,अधिकारियों की सुनने वाले कई, संरक्षण देने वाले कई।
सोनहत पार्क प्रभारी रेंजर पर शासकीय राशि से निजी कार्य कराने का मजदूरों ने लगाया आरोप।
मामला राष्ट्रीय उद्यान के सोनहत वन क्षेत्र का,मजदूरों का नहीं मिल रहा समय पर मजदूरी।
रेंजर संघ मामले को हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट लगाए इसके बाद भी क्यों कई रेंज आज भी डिप्टी रेंजरों पर निर्भर हैं ?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

वन विभाग का कार्य कागजों में ज्यादा और धरातल में कम मिलता है। कुछ कार्य अगर धरातल में हुए भी तो ग्रामीणों को मजदूरी की भुगतान विभाग नही कर पा रहा है बल्कि अफशर कैश पेमेंट का बहाना करके राशि ढकार ले रहे है। गौरतलब है कि जिले के गुरुघासी दास राष्ट्रीय उद्यान वन विभाग बैकुंठपुर में कुछ रेंज प्रभारी के मत्थे जिले की बागडोर सम्हाल रहे है। वन विभाग पर लगातार अनिमियता का आरोप लगते ही रहा है पर क्या जाच व कार्यवाही हुई? यह आज भी पहेली बनी हुई हैं जहा निर्माण कार्यो में अनियमितता को लेकर इन दिनों राष्ट्रीय उद्यान सुर्खियों में तो हैं, अब सोनहत पार्क परिक्षेत्र में कार्यरत पूर्व मजदूरों ने सोनहत पार्क प्रभारी परिक्षेत्रधिकारी पर बड़ा आरोप लगाते हुए बताया कि साहब हमारा मजदूरी भुगतान नही दे रहे, वही हमसे साहब अपने घर मे निजी काम करवाने का दबाव डालते है मना करने पर हम पर दबाव डालते है। काम नही दूंगा कहते है और बचा हुऐ पेमेंट के लिए कार्यालय का चक्कर कटवाते है। कार्यालय का चक्कर कटवा कर मानशिक दबाव डाला जा रहा कि हम उनके घर का खेती बाड़ी में कार्य करने को तैयार हो जाए, साफ साफ मना कर दिए तो कार्यालय का चक्कर कटवा रहे है। तो वही शासन के रुपयों से हमारा मजदूरी भुगतान करवाने की बात कहते है। अब इस बात पर कितनी सच्चाई है ये तो जांच के बाद ही पुष्टि हो सकती है, मगर ये कथन मजदूरों का है कोई तो बात जरूर होगी अन्यथा कोई अपने रोजी रोटी पर उंगली क्यो उठाएगा? वही मजदूरों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से भी इसकी शिकायत की किन्तु कोई कार्यवाही नही हुई जिससे मजदूरों में अब प्रभारी रेंजर के प्रति रोष हैं।

एक नजर पूरे मामले पर

सोनहत पार्क परिक्षेत्र प्रभारी रेंजर की मनमानी तो आपको सुनने को हमेशा मिलता ही हैं पर अब शासकीय दरों में कार्यरत व निजी कार्य मे लगे मजदूरों के भी भुगतान के लिए शासन की राशि का उपयोग कराने का मामला सामने आया है। मजदूरों के हिसाब से जिन मजदूरों ने प्रभारी पार्क परिक्षेत्राधिकारी पर आरोप लगाया है वे सोनहत पार्क परिक्षेत्र अंतर्गत लोलकी मझगांव सर्किल में फ़ायर्वाचार का काम करते थे। आगे बताया कि हम लोग मजदूरी कर जैसे तैसे अपना जीवन व्यतीत करते है और 4 से 6 महीने पेमेंट नही मिलने से हमारा जीवन बसर आर्थिक स्थिति शून्य हो गई है। जबरजस्ती करने और लगातार बोलने पर प्रभारी रेंजर ने कुछ पेमेंट कराया और बाकी के लिए बाद में बोले थे जिसके बाद काम भी दोबारा नही दिया गया अब पेमेंट की मांग करते है तो कहते है मेरे घर पर काम करो तब पेमेंट मिलेगा और साल भर पेमेंट करवाता रहूंगा जानकारी देने वाले मजदूर ने बताया कि शासकीय रुपए में मजदूरों को अपने घर निजी कार्य कराने के लिए भेजते है। हम लोग मना कर दिए तो फायरवाचार कार्य के बाद दूसरा कोई कार्य नही दिया गया, जबकि कई काम चल रहे है इस प्रकार मजदूरों का प्रभारी रेंजर द्वारा दोहन किया जा रहा है।

जब उच्य अधिकारी ही पार्क परिक्षेत्रों में प्रभारी रेंजर बैठाने का दाव खेल रहे तो उनके भरोशे मंद प्रभारी रेंजर क्यो न मैदान में ऐसे कृत्यों के साँथ क्यो न खेले? समझ से परे है कि प्रभारी रेंजर ही विभाग के उच्य अधिकारियों को क्यो पसंद है। जबकि रेंजर संघ ने भी इस मामले में कई बार आवाज बुलंद की है यहाँ तक कि हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट तक भी मामला जा चुका है। उसके बाद भी सब समझ से परे है कि आखिर क्यों कई रेंज आज भी डिप्टी रेंजरों पर निर्भर हैं।

एमसीबी कलेक्टर ने अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन का आदेश किया जारी

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर/एमसीबी 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एमसीबी कलेक्टर पीएस ध्रुव द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण हेतु अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन का आदेश जारी किया गया है। जिसके अनुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुणाल दुदावत समाज कल्याण, कौशल विकास, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, सर्व शिक्षा अभियान, साक्षर भारत, स्वास्थ्य विभाग/रेडक्रास, ग्रामीण सचिवालय, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रभारी अधिकारी जिला निर्माण समिति, महिला एवं बाल विकास, कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, पशुपाल, हथकरघा बोर्ड, निःशक्त कल्याण, पुर्नवास, जिला नवाचार निधि योजना एवं समय-समय पर सौपे गए अन्य के दायित्यों का निर्वहन करेगें।

संयुक्त कलेक्टर नयनतारा सिंह तोमर को मिला कई महत्पूर्ण कार्यो का जिम्मा

संयुक्त कलेक्टर नयनतारा सिंह तोमर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मनेन्द्रगढ़, जिला सत्कार अधिकारी, भाड़ा नियत्रण अधिकारी अनुविभाग मनेन्द्रगढ़, सक्षम अधिकारी, लोक परिसर बेदखली अधिनियम अनुविभाग मनेन्द्रगढ़, भू-अर्जन अधिकारी, अनुभाग मनेन्द्रगढ़, नजूल अधिकारी, अनुविभाग मनेन्द्रगढ़ तथा सक्षम अधिकारी, लोक न्यास अधिनियम, अनुविभाग मनेन्द्रगढ़, कलेक्टर की अनुपस्थिति में सामान्रू प्रशासनिक नियंत्रण एवं चालू कार्य, जिला विवाह अधिकारी, नागरिकता एवं पासपोर्ट सम्बंधी कार्य, जिला अल्प बचत अधिकारी, आदिवासी विकास, निम्न शाखाओं-विभागों के लिए प्रभारी अपर कलेक्टर होंगी (नीतिगत/विशेष मामलों को छोड़कर) (कलेक्टर के वित्तीय मामलों में प्रशासनीय अनुमोदन प्राप्त होने के पश्चत अग्रिम निराकरण) (नस्ती प्रभारी अधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत होगी) वित्त शाखा-स्थापना शाखा, लोक अभियोजन एवं ज्युडिशियल, सांख्यिकी लिपिक एवं लाईसेन्स शाला, खनिज शाखा, संजीवनी कोष, भू-अभिलेख शाखा, स्टेशनरी, प्रपत्र, लाईब्रेरी शाखा, राहत शाखा, राजस्व लेखापाल/राजस्व मोहर्रिर, रूपये 20000 तक कार्यालयीन व्यय की स्वीकृति एवं समय-समय पर सौंपे गए अन्य के दायित्यों का निर्वहन करेगें।

संयुक्त कलेक्टर अभिलाषा पैकरा के पास इन विभाग का जिम्मा

संयुक्त कलेक्टर अभिलाषा पैकरा पंचायती राज अधिनियम के तहत जनपद पंचायत निर्वाचन से संबंधित निर्वाचन याचिका एवं पंचायत राज अधिनियम के अंतर्गत अपील, पुनरीक्षण का पंजीयन एवं निवर्तन, सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 अंतर्गत समस्त अपील, पुनरीक्षण, स्थापना, वित्त शाखा, नाजरात शाखा, खनिज शाखा एवं डी.एम.एफ प्रभारी अधिकारी, विभागीय जांच अधिकारी, पंचायती राज अधिनियम की धारा 91 के तहत आंगनबाडी कार्यकर्ता, सहायिका की नियुक्ति के विरूद्ध समस्त अपील, पुनरीक्षण, लोक सभा, विधानसभा, राज्य सभा प्रश्नों के उत्त्र जानकारी भेजना, निवेशकों के हित संरक्षण पर कार्यवाही, नगर सेना, कलेक्टर ऑफ स्टाम्प, पंजीयन, मुद्रांक, जिला व्यापार एवं उद्योग, मुख्यमंत्री अधोंसरचना संधारण एवं उन्नयन प्राधिकरण निधि से प्राप्त आंबटन राशि, व्यय एवं लेखा संधारण सम्बन्धी कार्य, कालोनी, टाउनशिप के विकास की अनुज्ञा (एकल खिड़की प्रणाली), जिले के सभी विभागों से निरीक्षण रोस्टर प्राप्त करना एवं पालन करवाना एवं समय-समय पर सौंपे गए अन्य के दायित्यों का निर्वहन करना।

डिप्टी कलेक्टर बहादुर सिंह मरकाम के पास इन विभाग का जिम्मा

डिप्टी कलेक्टर बहादुर सिंह मरकाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी खड़गवा एवं अतिरिक्त प्रभार चिरमिरी, सत्कार अधिकारी अनुविभाग खड़गवा एवं चिरमिरी, भाड़ा नियंत्रण अधिकारी अनुविभाग खड़गवां एवं चिरमिरी, सक्षम अधिकारी लोक परिसर बेदखली अधिनियम अनुविभाग खड़गवां एवं चिरमिरी, भू-अर्जन अधिकारी अनुभाग खड़गवां एवं चिरमिरी, नजूल अधिकारी अनुविभाग चिरमिरी, सक्षम अधिकारी लोक न्यास अनुविभाग खड़गवां एवं चिरमिरी एवं समय-समय पर सौंपे गए अन्य के दायित्यों का निर्वहन करना।

डिप्टी कलेक्टर चमार सिंह पैकरा के पास इन विभाग की जिम्मेदारी

डिप्टी कलेक्टर चमार सिंह पैकरा नोडल अधिकारी राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, जन सूनना अधिकारी, सूचना का अधिकार अधिनियम 2005, भू-अभिलेख शाखा, भू-परिवर्तित शाखा, राहत शाखा, भू-अर्जन शाखा, बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन शाखा, जिला शहरी विकास अभिकरण, ग्राम एवं नगर निवेश, ई-कोर्ट राजस्व प्रकरण, धर्मस्व, पुरातत्व एवं संग्रहालय, जिला वफ्फ बोर्ड, सीलिंग शाखा (कृ.जो.उ.सी. अधिकारी), ग्रामीण भूमि हीन कृषक न्याय योजना, लोक अभियोजन एवं ज्युडिशियल सांख्यिकी लिपिक एवं लाईसेन्स शाखा, पासपोर्ट सेल, शिकायत शाखा, जन समस्या निवारण शिविर, पीजीएन, जन शिकायत, जन चौपाल, समय-सीमा, नगर पालिक निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत, मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री एवंज न प्रतिनिधि से प्राप्त पत्रों का निराकरण, माननीय मुख्यमंत्री महोदय की घोषणा एवं निर्देश, वरिष्ठ लिपिक 01 एवं 02, अधीक्षक शाखा, समय-सीमा, जिला कोषालय, शासकीय आवास आबंटन, मीसाबंदी, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी/हिन्दी माध्यम स्कूल, केन्द्रीय विद्यालय, केपीआई/एचसीएम देशबोर्ड के प्रभारी अधिकारी होगें एवं समय-समय पर सौंपे गए अन्य के दायित्यों का निर्वहन करना।

डिप्टी कलेक्टर प्रवीण कुमार भगत के पास इन विभाग की जिम्मेदारी

डिप्टी कलेक्टर प्रवीण कुमार भगत उप जिला निर्वाचन अधिकारी सामान्य निर्वाचन एवं स्थानीय निर्वाचन, प्रभारी जेल अधीक्षक, उप जेल मनेन्द्रगढ, भारसाधक अधिकारी कृषि उपज मंडी मनेन्द्रगढ़, विकास शाखा एवं मुख्य मंत्री घोषणा, खाद्य शाखा, प्रस्तुतकार कलेक्टर, स्टेशनरी, प्रपत्र. शाखा, पर्यावरण एवं प्रदूषण निवारण सम्बन्धी कार्य, जिला ई-गवर्नेस सोसायटी, जिला अन्त्यावसाई, परीक्षा शाखा, रोजगार एवं तकनीकी शिक्षा, जनगणना, जिला योजना एवं सांख्यिकी, श्रम विभाग एवं बंधुआ मजदूर शाखा, अल्प बचत शाखा, आवक-जावक शाखा, राजस्व अभिलेख कोष्ट, वीडियो कांफ्रेसिंग, मुख्य प्रतिलिपिकार शाखा, छत्तीसगढ़ लोक सेवा गारंटी अधिनियम, गोधना न्याय योजना एवं समय-समय पर सौंपे गए अन्य के दायित्यों का निर्वहन करना।

डिप्टी कलेक्टर मूलचन्द्र चोपड़ा इस कार्यो का दायित्यों निर्वहन करेगे

डिप्टी कलेक्टर श्री मूलचन्द्र चोपड़ा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी भरतपुर एवं केल्हारी, सत्कार अधिकारी अनुविभाग भरतपुर एवं केल्हारी, भाड़ा नियंत्रण अधिकारी अनुविभाग भरतपुर एवं केल्हारी, सक्षम अधिकारी लोक परिसर बेदखली अधिनियम अनुविभाग भरतपुर एवं केल्हारी, भू-अर्जन अधिकारी अनुविभाग भरतपुर एवं केल्हारी, नजूल अधिकारी अनुविभाग भरतपुर एवं केल्हारी, सक्षम अधिकारी लोक न्यास अनुविभाग भरतपुर एवं केल्हारी एवं समय-समय पर सौंपे गए अन्य के दायित्यों का निर्वहन करना तथा प्रीतेश सिंह राजपूत डिप्टी कलेक्टर को प्रशिक्षण से वापस होने पर कार्य आबंटन किया जायेगा।

इसके साथ ही उन्होंने प्रभारी अधिकारी के अनुपस्थिति अथवा अनुपलब्ध होने की दशा के लिए लिंक अधिकारी नियुक्त किये हैं। जिसके अनुसार संयुक्त कलेक्टर नयनतारा सिंह तोमर के लिए संयुक्त कलेक्टर अभिलाषा पैकरा, संयुक्त कलेक्टर अभिलाषा पैकरा के लिए संयुक्त कलेक्टर नयनतारा सिंह तोमर, डिप्टी कलेक्टर चमार सिंह पैकरा के लिए डिप्टी कलेक्टर प्रवीण कुमार भगत, डिप्टी कलेक्टर प्रवीण कुमार भगत के लिए डिप्टी कलेक्टर चमार सिंह पैकरा, डिप्टी कलेक्टर मूलचन्द चोपड़ा के लिए डिप्टी कलेक्टर प्रवीण कुमार भगत, डिप्टी कलेक्टर बहादुर सिंह मरकाम के लिए डिप्टी कलेक्टर चमार सिंह पैकरा लिंक अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने उच्च शिक्षा मंत्री का पुतला दहन किया

-संवाददाता-
सूरजपुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छत्तीसगढ़ प्रांत द्वारा प्रदेश के प्रत्येक विश्वविद्यालय महाविद्यालय परिसर के सम्मुख छात्र संघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने की माँग को लेकर उच्चशिक्षा मंत्री का पुतला दहन किया गया । ज्ञात हो अभाविप प्रारंभ से ही प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्रसंघ चुनाव की मांग कर रहा है और इस संदर्भ में इस वर्ष प्रत्येक महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों में ज्ञापन सौंपा था । अभाविप का सुविचारित मत है कि छात्रसंघ चुनाव के माध्यम से ही समाज के सम्मुख एक शसक्त छात्र नेतृत्व उभर कर सामने आती है जो निकट भविष्य में समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में समाज का नेतृत्व करती है । प्रदेश मंत्री मनोज वैष्णव ने कहां की राजस्थान में जिस तरह से छात्र संघ चुनाव हुए और राजस्थान की युवा शक्ति ने जिस

तरह से सत्तारूढ़ पार्टी के छात्र संगठन को नकारा उससे छत्तीसगढ़ सरकार डरी हुई है और कहीं पूरे प्रदेश की युवा शक्ति उसे नकार न दे इस डर से वह छात्र संघ चुनावों से पीछे हट रही है , प्रदेश सरकार छात्र शक्ति से डर रही है। जिला संयोजक यश साहू ने कहा कि अभाविप विद्यार्थियों के अधिकार के लिए सैदव संघर्षरत रही है हम विद्यार्थियों के अधिकार का हनन नही होने देंगे ।

इसी निमित्त पंडित रविशंकर त्रिपाठी शासकीय महाविद्यालय के सम्मुख विद्यार्थियों संग अभाविप भैयाथान द्वारा उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल का पुतला दहन कर विरोध दर्ज किया गया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से अविनाश मंडल, अंकुर पटेल, निखिल गोयल, नितिन कुशवाहा, उज्ज्वल सिंह, विनय दास, रवि यादव, प्रियांशु पाटिल, अमित गुप्ता, सितेश गुर्जर, राजेश्वर गुर्जर, रोहित ठाकुर, सुरज पैकरा, विशाल देवांगन, राजा देवांगन, सूरज सोनी, विशाल साहू, ईश्वर देवांगन, ममता कुशवाहा, नीतू सिंह इत्यादि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रतापपुर पुलिस ने जुआ खेल रहे 4 जुआड़ियों को पकड़ा

-संवाददाता-
सूरजपुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

अवैध शराब, जुआ, नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को दिए है। इसी परिपेक्ष्य में प्रतापपुर पुलिस ने ग्राम केवरा में हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेलने के मामले में 04 जुआड़ियों को रंगे हाथों पकड़ जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही किया है।

मंगलवार को थाना प्रतापपुर पुलिस को मुखबीर ने सूचना दिया कि ग्राम केवरा में कुछ जुआडियान रूपये पैसे की हारजीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के मार्गदर्शन में प्राप्त सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जुआ खेल रहे 04 व्यक्ति संजय केंवट पिता स्व. राजकुमार उम्र 26 वर्ष निवासी दवनकरा, थाना चंदौरा, राजाराम पिता रामप्रसाद उम्र 30 वर्ष निवासी कोटेया, थाना प्रतापपुर, विशाल गुप्ता पिता ओमप्रकाश उम्र 43 वर्ष निवासी केंवरा एवं रंजय गुप्ता पिता रमेश उम्र 32 वर्ष निवासी केवरा को पकड़ा जिनके कब्जे व जुआ फड से 20300 रूपये जप्त कर चारों के विरूद्ध जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रतापपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे, एसआई राजेश तिवारी, प्रधान आरक्षक राजेश यादव, भागवत पैंकरा व आरक्षक प्रवीण सिंह सक्रिय रहे।

पशु चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों का हुआ तबादला

-संवाददाता-
सूरजपुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। उप संचालक पशु चिकित्सा विभाग जिला सूरजपुर में पदस्थ तृतीय श्रेणी (गैर कार्यपालिक) एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का स्थानांतरण करते हुए नीचे दर्शाये अनुसार उनके नाम के समक्ष अंकित स्थान पर स्थानांतरण किया गया है। श्री शिवकुमार पट्टीबंधक पशु चिकित्सालय रेवटी प्रतापपुर से पशु चिकित्सालय बिहारपुर, श्री हीरा लाल पट्टीबंधक पशु चिकित्सालय सूरजपुर से पशु चिकित्सालय सिलफिली, श्री मनोज कुमार साहू स्वच्छकर्ता सह परिचारक, चौकीदर पशु चिकित्सालय बिहारपुर से पशु चिकित्सालय सूरजपुर, श्री गनेश्वर प्रसाद परिचायक कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र तेलगंवा, भटगांव से पशु औषधालय जरही, कुमारी आगा परवीन परिचायक पशु औषधालय जरही से कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र तेलगवां, श्री अम्बिका प्रसाद पटेल परिचायक पशु चिकित्सालय ओड़गी से पशु औषधालय धरसेड़ी पदस्थ किया गया है।

पुलिसकर्मी ही नहीं करेंगे मोटर व्हीकल एक्ट का पालन तो आम जनता को किस तरह समझाएंगे नियम ?

पुलिस वाहनों का सघन जांच करती है,बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर कार्यवाही करती है, लेकिन खुद बिना नंबर प्लेट के पुलिसकर्मी दौड़ाते हैं अपनी वाहन।
जब नियम का पालन करने वाले ही नियम तोड़ेंगे तो ऐसे में उनपर कौन करेगा कार्रवाई ?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जिले में प्रतिदिन सभी थाना के थाना प्रभारी मोटर व्हीकल एक्ट अधिनियम के तहत वाहनों की सघन जांच करते हैं जिसमें नियम विरुद्ध पाए जाने पर वाहन मालिकों को जुर्माना किया जाता है लेकिन सवाल यह भी है कि जिले में कई ऐसे थाना प्रभारी से लेकर पुलिसकर्मी हैं जो खुद मोटर व्हीकल अधिनियम का पालन नहीं करते हैं, नियम विरुद्ध तरीके से बिना नंबर प्लेट क्यों वाहन में फर्राटे भरते हैं? क्या मोटर व्हीकल अधिनियम में इन्हें छूट दी गई है यह एक बड़ा सवाल है या फिर सिर्फ इन्हें मोटर व्हीकल अधिनियम का केवल पालन कराने के लिए रखा गया है और खुद नियम विरुद्ध तरीके से वाहन चलाने की छूट दी गई है?

जिले के एक पुलिस थाने से आई इस तस्वीर के अनुसार यह एक पुलिसकर्मी की गाड़ी है जिसपर नम्बर प्लेट नहीं है और बिना नम्बर प्लेट के यह वाहन शहर सहित सभी जगह फर्राटे भरती नजर आती है। पुलिसकर्मियों द्वारा कानून का पालन कराना जहां तक जरूरी है वहीं उनके

द्वारा खुद कानून का पालन करना भी जरूरी है तभी वह किसी और को कानून का पालन करने को कह सकते हैं लेकिन इस वाहन सहित कई पुलिसकर्मियों के वाहन देखकर कहा जा सकता है कि जिले के पुलिसकर्मियों पर और उनके कार्यप्रणाली पर जरा भी अंकुश नहीं है और पुलिस विभाग केवल आम लोगों को ही कानून सिखाने तक अपनी जिम्मेदारी समझती है खुद कानून का पालन करने में उनकी तनिक भी रुचि नहीं होती।

पुलिसकर्मियों के वाहनों पर नम्बर प्लेट नहीं होना यह भी कानून के तहत मोटर व्हीकल एक्ट का उलंघन है और इसपर पुलिसकर्मियों को भी जुर्माना भरने की जरूरत होनी चाहिए लेकिन जो खुद ही जुर्माना लगाते हों उनपर जुर्माना कौन लगाएगा? यह भी एक सवाल है और पुलिसकर्मियों के वाहनों की जांच कौन करेगा यह भी एक सवाल है, जिले के पुलिस विभाग की निरंकुशता का यह कोई पहला उदाहरण नहीं है ऐसे कई मामले हैं जिसमे यह साबित होता है कि पुलिस विभाग में पुलिसकर्मी ही कानून का पालन करने में सबसे पीछे हैं और दूसरों को कानून का पाठ पढ़ाने में सबसे आगे, अब जब पुलिसकर्मी ही कानून का पालन नहीं करेंगे तो आम जनता क्या पालन करेगी यह एक बड़ा सवाल है। जिले के पुलिस कप्तानों से ही अब उम्मीद है कि वह पुलिस विभाग में कार्यरत पुलिसकर्मियों के वाहनों की भी जांच की जिम्मेदारी किसी को सौपें, जिससे पुलिसकर्मियों में भी मोटर व्हीकल एक्ट को लेकर जागरूकता आ सके और वह कानून का पालन कर सकें।

निःशुल्क आवेदन लिखाने की सुविधा का ग्रामीण उठा रहे लाभ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 20 सितंबर 2022(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार की पहल पर कलेक्टर कार्यालय में शुरू हुए निःशुल्क आवेदन लेखन डेस्क का अब ग्रामीण लाभ लेने लगे हैं। निःशुल्क आवेदन लेखन डेस्क शुरू होने से ग्रामीणों को आवेदन लिखवाने के लिए पैसा देना नहीं पड़ रहा है तथा इधर-उधर भटकना भी नहीं रहा है जिससे धन व समय दोनों की बचत ही रही है। डेस्क शुरू होने से लेकर अब तक करीब 15 कार्यालयीन दिवस में करीब 32 लोगां ने आवेदन लिखवाया है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे कलेक्टोरेट परिसर में शुरू हुए निःशुल्क आवेदन लेखन डेस्क के बारे में ग्रामीण क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। कम्प्यूटर ऑपरेटर ने बताया कि निःशुल्क आवेदन लेखन डेस्क के बारे में लोगों को जानकारी नहीं होने के कारण अभी कम लोग आ रहे है। जैसे-जैसे जानकारी होते जाएगी संख्या बढ़ेगी।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न समस्या को लेकर जिला कार्यालय आने वाले ग्रामीणों को फोटो कॉपीयर या अन्य दुकानों में आवेदन लिखवाने के लिए पैसा देना पड़ता है जिससे आने-जाने के साथ ही आवेदन लिखाने में अत्यधिक पैसा खर्च हो जाता है। निःशुल्क आवेदन लेखन डेस्क शुरू होने से अब आवेदन लिखवाने के लिए पैसा खर्च नहीं करना पड़ रहा है।

समाचार क्रमांक 1520/2022
--00--

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार की पहल पर कलेक्टर कार्यालय में शुरू हुए निःशुल्क आवेदन लेखन डेस्क का अब ग्रामीण लाभ लेने लगे हैं। निःशुल्क आवेदन लेखन डेस्क शुरू होने से ग्रामीणों को आवेदन लिखवाने के लिए पैसा देना नहीं पड़ रहा है तथा इधर-उधर भटकना भी नहीं रहा है जिससे धन व समय दोनों की बचत ही रही है। डेस्क शुरू होने से लेकर अब तक करीब 15 कार्यालयीन दिवस में करीब 32 लोगां ने आवेदन लिखवाया है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे कलेक्टोरेट परिसर में शुरू हुए निःशुल्क आवेदन लेखन डेस्क के बारे में ग्रामीण क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। कम्प्यूटर ऑपरेटर ने बताया कि निःशुल्क आवेदन लेखन डेस्क के बारे में लोगों को जानकारी नहीं होने के कारण अभी कम लोग आ रहे है। जैसे-जैसे जानकारी होते जाएगी संख्या बढ़ेगी।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न समस्या को लेकर जिला कार्यालय आने वाले ग्रामीणों को फोटो कॉपीयर या अन्य दुकानों में आवेदन लिखवाने के लिए पैसा देना पड़ता है जिससे आने-जाने के साथ ही आवेदन लिखाने में अत्यधिक पैसा खर्च हो जाता है। निःशुल्क आवेदन लेखन डेस्क शुरू होने से अब आवेदन लिखवाने के लिए पैसा खर्च नहीं करना पड़ रहा है।

सरकारी आवास में हुई चोरी

-संवाददाता-
सूरजपुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र देवनगर के अस्पताल में स्थित शासकीय आवासीय भवन में रज्जु कुमार सिंह (आर.एच.ओ.) का निवास स्थान था, उनके छुट्टी के रहने की दशा में 19 सितंबर की रात्रि में उनके निवास में चोरी की घटना का अंजाम दिया गया, जिसमें उनके रूम से घरेलू समान कुर्सी,टेबल,पलंग, प्रेस,बर्तन आदि की चोरी की गई है जिसकी कीमत लगभग दस हज़ार रुपए है। जिसके कारण अस्पताल के कर्मचारियों में भय है , घटना की सूचना कोतवाली सूरजपुर थाना प्रभारी दी गई है एवं चोरो को पकड़ कर कार्यवाही करने का मांग किया गया हैं।

जिला विधिक द्वारा दी गई भरण पोषण अधिकार की जानकारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 20 सितंबर 2022(घटती-घटना)।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बिकापुर के अध्यक्ष श्री आर.बी. घोरे के निर्देश पर एवं सचिव श्री अमित जिन्दल के मार्गदर्शन में पी.एल.पी स्वाति दुबे ने मंगलवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मणिपुर अम्बिकापुर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया। उन्होंने बताया कि दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत सिर्फ पत्नी को ही भरण पोषण प्राप्त करने का अधिकार नहीं है बल्कि माता पिता तथा संतान को भी भरण पोषण प्राप्त करने का अधिकार है। इसके अतिरिक्त अभिभावकों और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 की धारा 4 के अनुसार एक वरिष्ठ नागरिक, जिसमें अभिभावक शामिल है, जो स्वयं अपनी आय से स्वयं द्वारा स्वामित्वाधीन सम्पत्ति से स्वयं का भरण-पोषण करने में असमर्थ है, अपनी संतान से भरण पोषण प्राप्त करने का अधिकारी होगा तथा अभिभावकों और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम 2007 की धारा 5 के अनुसार भरण पोषण के आवेदन यदि वरिष्ठ नागरिक असमर्थ हो तो उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति या संगठन द्वारा भी आवेदन दिया जा सकता है।

बिहारीलाल ने छोड़ी विधान सभा की आस

अब हुए विधायक के खास,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बनना तय

» जिला महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी से निचले स्तर पर ब्लॉक अध्यक्ष पद की दौड़ में हुए सबसे आगे।
» एक बार फिर कोरिया जिले के संगठन के करवट बदलने की बात,क्या पुराने नाम नामों को नहीं मिलेगी जगह?
» अशोक जायसवाल का जिला अध्यक्ष व अन्नपूर्णा का शहर अध्यक्ष बनने की संभावना प्रबल।
» विधायक की पसंद से जल्द ऐसी ही कार्यकारणी गठित होने की सुगबुगाहट।
» यदि लगी मोहर तो इन तिकड़ी के भरोसे लड़ा जाएगा आगामी विधानसभा चुनाव।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले से पृथक होकर एमसीबी नवीन जिला गठन के उपरांत सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के जिला ब्लॉक एवम शहर कमेटियों में भी बदलाव होने की संभावना है और जल्द ही सभी कमेटियों के लिए नए लोगों के नाम पर पार्टी की तरफ से मुहर लग सकती है। कोरिया जिले में कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष के लिए पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जायसवाल का नाम सबसे आगे चल रहा है वहीं शहर अध्यक्ष पद के लिए अन्नपूर्णा सिंह का नाम सबसे आगे है, शहर अध्यक्ष का पद महिला को दिए जाने की प्रबल संभावना है और इसी कड़ी में अन्नपूर्णा सिंह का नाम सबसे आगे है वहीं विधायक की सबसे खास होने की वजह से भी उनका नाम सबसे आगे है जैसा कि सूत्रों से खबर मिल रही है।

बैकुंठपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पद के लिए सबसे प्रबल दावेदार अब बिहारीलाल राजवाड़े को माना जा रहा है और विधायक से बढ़ती करीबी की वजह से उनका ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बैकुंठपुर बनना तय नजर आ रहा है। वैसे पूर्व के विधायक प्रत्यासी रह चुके एवम टिकट की ही आस में कांग्रेस में शामिल हुए बिहारी लाल राजवाड़े ने अब विधानसभा जाने की आस छोड़ दी है और अब वह विधायक के खास सिपहसालार के रुप में अपनी पहचान बना रहे हैं। बिहारीलाल राजवाड़े ने जैसे स्वीकार कर लिया है कि उनका विधानसभा जाना अब कभी संभव नहीं है और विधायक के साथ उनका खास बनकर ही राजनीति में कुछ आगे जाया जा सकता है और अब वह उसी जुगत में लगे हुए हैं। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर बैकुंठपुर विधायक भी अपने समर्थकों की संख्या बढ़ा रहीं हैं और उन्हें मालूम है नाराज लोगों और नए लोगों को मनाकर उनको साथ जोड़कर ही आगे विधानसभा चुनाव में सफलता मिल सकती है।

कांग्रेस संगठन के पदाधिकारियों के चयन में प्रतिदिन बदल रहे हैं नाम

कांग्रेस जिला संगठन कोरिया में बदलाव की सुगबुगाहट के बीच पल पल चुने जाने वालों के नामों के बीच बदलाव हो रहा है, पहले जिलाध्यक्ष के लिए किसी और का नाम सामने था लेकिन अब अन्य किसी का नाम तय माना जा रहा है और जैसा कि बताया जा रहा है कि जल्द ही जिला संगठन के लिए अध्यक्ष का नाम तय हो जाएगा और सभी संभावनाओं पर विराम लग जायेगा, अभी नई संभावनाओं के बीच पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जायसवाल का नाम सबसे आगे है वहीं ब्लॉक अध्यक्ष के लिए बिहारीलाल राजवाड़े व शहर अध्यक्ष के लिए अन्नपूर्णा सिंह का नाम तय माना जा रहा है, वहीं यह भी बताया जा रहा है कि पूर्व में जिलाध्यक्ष के लिए प्रदीप गुप्ता का नाम आगे चल रहा था लेकिन उनके मना करने की वजह से अशोक जायसवाल का जिलाध्यक्ष तय माना जा रहा है वहीं अन्नपूर्णा सिंह का शहर अध्यक्ष बनना इसलिए भी तय माना जा रहा है क्योंकि उनके सामने कोई अन्य नाम सामने नहीं है।

बिहारीलाल विधानसभा की आस छोड़ समर्पण कर बैकुंठपुर विधायक को पटना क्षेत्र में एक सिपहसालार मिल गया

बिहारीलाल राजवाड़े के विधानसभा की आस छोड़ समर्पण कर देने से बैकुंठपुर विधायक को पटना क्षेत्र में एक सिपहसालार मिल गया है जो कमजोर हो रहे क्षेत्र के लिए मददगार साबित होंगे। जिलाध्यक्ष सहित शहर अध्यक्ष पद के लिए भी जैसा कि सूत्र बता रहें हैं नाम तय हो गए हैं जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी कोरिया के लिए अशोक जायसवाल जो बैकुंठपुर के पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रह चुके हैं का नाम तय माना जा रहा है,वहीं शहर अध्यक्ष अन्नपूर्णा सिंह हो सकती हैं जो विधायक की सबसे खास हैं और वर्तमान में नगरपालिका बैकुंठपुर की नेता प्रतिपक्ष भी हैं।

क्या बिहारीलाल राजवाड़े ने सचमुच ही छोड़ दी विधानसभा की आस

बैकुंठपुर विधानसभा से पिछली बार जोगी जनता कांग्रेस से प्रत्यासी रह चुके बिहारीलाल राजवाड़े ने क्या सचमुच अब विधानसभा जाने की आस छोड़ दी है, इसको लेकर जो बातें सामने आ रहीं हैं उसके अनुसार कहा जा सकता है हां क्योंकि उन्होंने जब जोगी जनता कांग्रेस छोड़ कर कांग्रेस प्रवेश किया था, तब वह अपने आप को टिकट का दावेदार मान रहे थे, लेकिन जैसे जैसे उन्हें आभास होने लगा कि कांग्रेस में उनको टिकट मिलना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है, उन्होंने भी इसे स्वीकार कर लिया और अब वह विधायक के खास सिपहसालार बनकर काम करने लगे। बताया जा रहा है कि बिहारीलाल राजवाड़े जान चुके हैं कि उन्हें टिकट मिलना नामुमकिन है और इसीलिए वह अब विधायक के साथ जुड़कर काम धाम के भरोसे ही अपनी राजनीतिक पारी खेलने की तैयारी में हैं।

नहीं स्थापित कर सके खुद को पटना 84 का कुशल नेतृत्वकर्ता

बिहारीलाल राजवाड़े खुद को पटना 84 का शुभचिंतक नेतृत्व बताकर राजनीति में आगे बढ़ रहे थे, लेकिन अब वह जैसे ही विधायक खेमे के सबसे खास पंक्ति में खड़े हुए यह तय हो गया कि वह खुद को पटना 84 का कुशल नेतृत्वकर्ता नहीं साबित कर सके। कुल मिलाकर उन्होंने समय पूर्व ही आत्मसमपर्ण कर दिया है जैसा कि चर्चा भी है।

लॉटरी लगने,ओटीपी या एटीएम पिन बताने के नाम पर आने वाले कॉल और मैसेज से रहे सतर्क:प्रशासन

डिजिटल फॉड से बचने जिले में लगाया गया अवेयरनेस कैम्प, कलेक्टर ने प्राथमिकता से इसपर काम करने दिए निर्देश।
किसान क्रेडिट कार्ड बनाने फिर मिशन मोड पर शुरू होगा काम, हर सप्ताह होगी समीक्षा।

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

डिजिटल दौर में पूरा विश्व ग्लोबल विलेज के रूप में बदल गया है। इससे लोगों का दैनिक जीवन आसान तो हुआ है, इसके साथ ही डिजिटल फ्रॉड जैसे मामले भी बढ़ गए हैं। जिले में लोगों को इस दिशा में जागरूक करने कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने नवीन पहल करते हुए लॉटरी लगने, ओटीपी या एटीएम पिन बताने के नाम पर आने वाले कॉल और मैसेज जैसे डिजिटल फ्रॉड से बचने जिले में अवेयरनेस कैम्प लगाने निर्देशित किया।

कलेक्टर श्री शर्मा की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक में उन्होंने विस्तार से चर्चा करते हुए स्कूलों, आश्रम छात्रावासों, पंचायतों एवं ग्राम सभा के माध्यम से जानकारी लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए जिससे ग्रामीण क्षेत्रों तक लोग इस तरह की जालसाजी के प्रति जागरूक हो सकें। बता दें कि किसी अन्य व्यक्ति को ओटीपी या एप्लिकेशन से जुड़ा पासकोड न दें. ओटीपी या पासकोड देने से कॉल करने वाले व्यक्ति को आर्थिक लेनदेन करने के लिए आपके फ़ोन/डिवाइस से जुड़ी सभी अनुमति मिल जाती है। ऐसी झूठी कॉल्स या मैसेज से सावधान रहें और साइबर धोखाधड़ी से खुद को सुरक्षित रखें।

किसान क्रेडिट कार्ड बनाने फिर मिशन मोड पर शुरू होगा काम,हर सप्ताह होगी समीक्षा

कलेक्टर श्री शर्मा ने उपसंचालक कृषि को जिले में शेष किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाने निर्देशित किया। उन्होंने रोस्टर तैयार कर कैम्प करने और किसानों को इसके लाभ के प्रति जागरूक करने कहा। उन्होंने कहा कि हर सप्ताह केसीसी की समीक्षा भी को जाएगी। कृषि क्षेत्र में कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णयों पर चर्चा करते हुए कहा कि मत्स्य, उद्यानिकी और पशुधन विभाग को ऋण की पात्रता का प्रावधान किया गया है। जिले में इसे क्रियान्वित करते हुए किसानों को लाभ मिलना सुनिश्चित करें। कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार किसानों के सहकारी ऋणों पर ब्याज अनुदान नियम में संशोधन प्रारूप का अनुमोदन किया गया। जिसके अनुसार उद्यानिकी कार्यों, मत्स्य पालन एवं गौपालन के लिए लघु और सीमांत किसानों को 3 लाख रुपए तक का अल्प कालीन ऋण बिना ब्याज के मिलेगा।

मौसमी बुखार जैसे मामले अधिक मिलने पर विशेष कैम्प कर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने पर कलेक्टर ने की चर्चा

कलेक्टर श्री शर्मा ने स्वास्थ्य केंद्रों में बढ़ते ओपीडी संख्या पर चर्चा करत हुए कहा कि किसी क्षेत्र या ग्राम में मौसमी बुखार जैसे मामले अधिक मिलने पर वहां मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक या विशेष कैम्प के जरिए स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई जा सकती हैं। उन्होंने स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री की मंशानुरूप जिले में लगभग 225 देवगुड़ी का किया जाएगा संरक्षण

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान देवगुड़ियों के संरक्षण के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर ने इस दिशा में काम शुरू करने सहायक आयुक्त को निर्देशित किया और नियमित रूप से प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने कहा। इसी तरह कलेक्टर ने धान खरीदी के संबंध में तैयारियां शुरू करने, राजस्व प्रकरणों के समयसीमा में निराकरण, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, गोधन न्याय योजना आदि पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत कुणाल दुदावत, अपर कलेक्टर श्री भगवान सिंह उइके, एवं राजस्व व जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सरेराह लूटपाट की वारदात को अंजाम देने वाले दंपत्ति ने किया सरेण्डर

-संवाददाता-

कोरबा,20 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।

एक ग्रामीण महिला द्वारा लिफ्ट लेने के बहाने बाइक सवार लोगों को रुकवाने के बाद उसके पति और सहयोगी द्वारा मारपीट एवं लूटपाट की वारदात को पिछले दिनों अंजाम दिया गया था। प्रकरण के एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया जबकि फरार दंपत्ति ने पुलिस चौकी पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। इससे इनकी तलाश में जुटी पुलिस को राहत मिली है। दोनों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कराया गया। गौरतलब है कि दीपका थानांतर्गत शक्ति नगर गेवरा कालोनी के एमक्यू-77 का निवासी जितेंद्र कुमार वैष्णव पिता विमल दास बैरागी 38 वर्ष 09 सितंबर को रजगामार पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भुलसीडीह में दवा लेने गया था। अपने दोस्त सुरेन्द्र राठौर के मोटरसायकल क्र. सीजी-12 बीजी 2228 पर सवार होकर जितेन्द्र और एक अन्य साथी कांति प्रसाद पांडेय दवा लेने गए थे। रात करीब 10.30 बजे वापसी के समय ये तीनों भुलसीडीह हाउसिंग बोर्ड के पहले पाइपलाइन पुलिया के पास पहुंचे थे कि रास्ते में एक महिला ने हाथ देकर रुकने का इशारा किया। जैसे ही इन्होंने बाइक रोकी, उसी समय दो व्यक्ति डंडा लेकर पहुंचे और पीछे बैठे कांति प्रसाद को पीटने लगे। उसका मोबाइल छीन लिए और जितेन्द्र कुमार के पैंट के जेब में रखे 5 हजार रुपए, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड व सुरेंद्र के पास से 01 हजार रुपए लूट लिए। सुरेन्द्र और जितेन्द्र किसी तरह से वहां से भागे जबकि कांति प्रसाद वहीं छूट गया था। मारपीट और लूटपाट करने वाले आपस में नाम जसराम अगरिया, राधेलाल मंझवार तथा सुशीला अगरिया बुला रहे थे और केरकेट्टा बाड़ी भुलसीडीह में रहने की बात भी कर रहे थे। मामले में पुलिस ने जितेन्द्र कुमार वैष्णव की रिपोर्ट पर तीनों आरोपियों के विरुद्ध 34, 394 भादवि के तहत अपराध दर्ज कर पतासाजी प्रारंभ की गई। पुलिस ने एक आरोपी राधेलाल मंझवार पिता शनिराम 22 वर्ष निवासी ग्राम कोई रजगामार को गिरफ्तार कर 06 हजार रुपए नगद, एटीएम व आधार कार्ड तथा बांस का डंडा बरामद कर जेल का रास्ता दिखाया गया था। अन्य फरार आरोपी की तलाश की जा रही थी, जिनके समर्पण उपरांत लूटे गए काले रंग के जियो कंपनी का मोबाइल बरामद किया गया। आरोपी महिला श्रीमती सुशीला अगरिया 22 वर्ष और उसके पति जसराम अगरिया पिता कमल सिंह 34 वर्ष निवासी ग्राम गेरवानी चाकामार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल करा दिया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने रेलवे स्टेशन परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान

-संवाददाता-

कोरबा,20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन को भाजपा पूरे देश मे सेवा पखवाड़ा के रूप में मना रहा है एवं इस अवसर पर विभिन्न सेवा कार्य किया जा रहा है द्व नरेंद्र मोदी जी के देश के प्रति समर्पण एवं सेवा भाव को जन जन तक पहुचाने का काम कर रही है, केंद्रीय नेतृत्व से इसके लिए 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम चला रही है. इसी कड़ी में कोरबा रेलवे स्टेशन परिसर में भाजपा के कार्यकरता व पदाधिकारियों द्वारा सफाई अभियान चलाया गया द्य सफाई अभियान के तहत कार पार्किंग व ऑटो स्टैंड में फैली गंदगी को झाड़ू मार कर सफाई किया गया द्य इस अभियान के मौके पर पूर्व महापौर जोगेश लांबा, परविंदर सिंह, सुजीत राठौर, सुफल दास, बजरंग यादव, जय सिंह, सूर्या यादव, गुड्डा, मुकेश, संजू देवी राजपूत, प्रमिला सागर, उर्वशी राठौर सहित बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे !

निजात अभियान के अंतर्गत किया गया जागरूकता कार्यक्रम

-संवाददाता-

कोरबा,20 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह द्वारा अवैध नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे निजात अभियान के तहत प्राथमिक शाला स्कूल धनपुरी में विद्यार्थियों एवं पालको को नशा मुक्ति, साइबर ठगी, अवैध नशीले पदार्थ, नारकोटिक्स एक्ट, यातायात नियमों, टोनही प्रताड़ना अधिनियम के संबंध में जानकारी देकर जागरूक किया गया। विद्यार्थियों एवं पालकों को संबोधित करते हुए नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताकर नशे से दूर रहने की सलाह दिया गया । कोरबा पुलिस द्वारा शुरू किया गया यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा ।

मानिकपुर पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर चोर, 01 मोटरसाइकिल बरामद

-संवाददाता-

कोरबा,20 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा अभिषेक वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा योगेश साहू द्वारा चौकी मनिकपुर क्षेत्रान्तर्गत होने वाली चोरियों पर नियंत्रण और प्रभावी कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन और दिशा निर्देश में लगातार कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 19.09.2022 को प्रार्थी अज्जी कुमार पिता गोपीनाथ पिल्ल्ई के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया की दिनांक 17/9/22 की शाम अपना काम कर दुकान बंद करके अपने घर चला गया था । दिनांक 18/9/22 के सुबह 9:30 बजे दुकान पर आया तो देखा कि दुकान का ताला टूटा हुआ है । एक ग्राहक का मोटरसाइकिल पैशन प्रो क्रमांक सीजी 11 एम 3010 इसकी कीमत लगभग ₹30000/- तथा गैरेज का अन्य समान को अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर लिया गया है। रिपोर्ट पर चौकी मानिकपुर में अपराध दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू की गई , तलाश दौरान मुखबिर से सूचना मिला की आरोपी विवेक कुमार साह निवासी पानी टंकी सोनालिया चौक के पास कोरबा के द्वारा उक्त घटना घटित किया गया है द्व जिसे पकड़कर पूछताछ किये जाने पर वह अपना जुर्म स्वीकार किया और चोरी किया गया मोटरसाइकिल एवं गैरेज के अन्य सामानों को बरामद करवाया द्व आरोपी के पास से चोरी किया गया मशरूका बरामद कर गिरफ्तार कर जेल भेजा गया । उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी लालन पटेल, प्रधान आरक्षक रंजन देवांगन, आरक्षक आलोक टोप्पो, जयप्रकाश यादव, रतन राठौर, अशोक पाटले, अमर दिवाकर, कृष्णा पटेल, संजय साहू की सराहनीय भूमिका रहा।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड-बलरामपुर (छ0ग0)

E-mail:eebalram-phe-cg@nic.in

निविदा क्रं./61/ले.शा./ज़.जी.मि./का.अ./लो.स्वा.यां.वि./2022 बलरामपुर दिनांक 17.09.2022

ऑन लाईन निविदा आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल प्रदाय योजना के विभिन्न कार्यों के लिए प्रतिशत दर फार्म ''अ'' में निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सि. नि. क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)	सि. नि. क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)	सि. नि. क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)
109661	56.87	109674	160.6	109685	220.66
109663	150.04	109675	117.73	109686	146.61
109666	97.89	109676	325.15	109687	307.18
109667	95.81	109677	169.13	109688	182.79
109668	237.08	109678	203.85	109689	55.30
109669	308.23	109679	376.26	109690	164.79
109670	52.69	109681	58.86	109691	193.66
109671	333.05	109682	69.29	109692	314.55
109672	411.89	109683	34.97	109693	181.69
109673	63.21	109684	191.11		

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विवरण यथा धरोहर राशि,बिड वैधता की तिथि,कार्य की अवधि,निविदाकार की श्रेणी, एवं कार्यों तथा स्थल संबंधी जानकारी ऑन लाईन ई-प्रोक्युरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 03.10.2022 से देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 17.10.2022तक बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जावेंगे। अतः निविदाकार ऑन लाईन निविदा प्रक्रिया में सतत संपर्क में रहें। अन्य विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड बलरामपुर में देखे जा सक्ते हैं।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड-बलरामपुर (छ0ग0)

जी.नंबर-94381/3

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2
जिला-अम्बिकापुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0- /अ-6अ/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नान आ0स्व0 रमेश्वर जाति पनिका, निवासी ग्राम रनपुरखुर्द अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा आवेदन श्रीमान् अनुविभागीय अधिकारी(रा) अम्बिकापुर के समक्ष आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक एवं अनावेदक आपस में सगे भाई हैं जो कि स्व0 रमेश्वर के पुत्र संतान हैं। यह कि ग्राम रनपुरखुर्द, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा स्थित भूमि खसरा क्रमांक 389/5, 586/3, 587/1, 588/1, 590/2, 592, 639/2 कुल प्लाट 07 योग रकबा 0.2040 हे0 के खसरा बी -1 आवेदक के नाम पर दर्ज है, उक्त भूमि आवेदक की पैतृक भूमि है जो आवेदक को पूर्व में हुए आपसी विभाजन एवं कब्जा के अनुसार बंटवारे में प्राप्त हुआ है उक्त भूमि में से खसरा क्रमांक 592 रकबा 0.012 हे0 त्रुटिवश आवेदक के नामांतरण पंजी में दर्ज न होकर अनावेदक रजदीन आ0 स्व0 रमेश्वर जाति पनिका, निवासी ग्राम रनपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा के नामांतरण पंजी में दर्ज हो गया है। जबकि उक्त भूमि पर आवेदक द्वारा मकान बनाकर निवास किया जा रहा है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 23/09/2022 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 17/08/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा) सूरजपुर
जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0- /अ-2/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-डुमरिया को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती पिंकी दास पति सकीरन दास,जाति-पनिका, निवासी हास्पिटल कॉलोनी सूरजपुर तह.सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम-डुमरिया, प.ह.न.-05, रा.नि.म.-बसदेई,तहसील-सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0) स्थित भूमि खसरा क्रमांक 908/1 रकबा 0.2100 हे0 में से 0.040 हे0 को आवासीय प्रयोजन के लिए भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त संबंध में ग्राम डुमरिया के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 05.10.2022 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 19.09.2022 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा) अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0- /अ-2/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अहमद फिरदौसी आ0 नईमुद्दीन फिरदौसी जाति जुलाहा निवासी निवासी ग्राम/नगर देवीगंज रोड तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नवागढ़ तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 318/15 रकबा 0.022 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1,खसरा, नक्शा, सेटलमेंट, भूमि उपयोगिता प्रमाण-पत्र, ले-आउट, रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 06/10/2022 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20/09/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी(रा)
अम्बिकापुर

कबड्डी खिलाड़ियों को शौचालय में खाना दिया गया

सहारनपुर,20 सितम्बर 2022(ए)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार एक ओर जहां खेलों और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के कई प्रयास कर रही है लेकिन सरकारी अधिकारी बेपरवाह नजर आ रहे हैं। हम आपको बता दें कि सहारनपुर से जो वीडियो सामने आया है उसने विपक्ष को योगी सरकार पर हमलावर होने का अवसर दे दिया है। दरअसल इस वीडियो में दिख रहा है कि कबड्डी खिलाड़ियों का खाना शौचालय में रखा गया है। वीडियो में दिख रहा है कि शौचालय में खुला रखा गया खाना खाने को खिलाड़ी मजबूर हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर 'वायरल' हुआ तो राज्य सरकार ने इस पर संज्ञान लेते हुए ढिलाई बरतने के आरोप में जिला खेल अधिकारी को निलंबित कर

दिया है। हम आपको बता दें कि सहारनपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में 16 से 19 सितंबर तक

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में 16 से 19 सितंबर तक लड़कियों की सब-जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें राज्य के 16 संभागों की 300 से अधिक लड़कियों ने भाग लिया था। खेल के बाद जब खाने की बारी आई तो यह खाना शौचालय में दिया गया।

लड़कियों की सब-जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें राज्य के 16 संभागों की 300 से अधिक लड़कियों ने भाग लिया था। खेल के बाद जब खाने की बारी आई तो यह खाना शौचालय में दिया गया।

मामले ने तूल पकड़ा तो अपर मुख्य सचिव (खेल) नवनीत सहगल का बयान आया कि सहारनपुर के जिला खेल अधिकारी अनिमेष सक्सेना को निलंबित कर दिया गया है। वहीं, सहारनपुर के जिलाधिकारी अखिलेश सिंह ने कहा है कि अपर जिला मजिस्ट्रेट (वित्त और राजस्व) रजनीश कुमार मिश्रा को घटना की जांच करने के लिए कहा गया है और वह तीन दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। अखिलेश सिंह ने कहा, ''खिलाड़ियों को जो दोपहर का खाना परोसा गया वह अधपका था और खिलाड़ियों को पर्याप्त खाना नहीं मिल पाया। इसके अलावा चावल और पूड़ी को शौचालय में रखा गया था और उससे बदबू आ रही थी।'' उन्होंने कहा, यह भी पता चला कि खाना स्विमिंग पूल परिसर में पकाया गया था और 300 से अधिक लोगों के लिए भोजन तैयार करने के लिए केवल दो रसोइये लगे हुए थे। जिलाधिकारी ने बताया कि भोजन तैयार करने के बाद उसे शौचालय में रखा गया था और यहीं से खिलाड़ियों ने खाना लिया। अखिलेश सिंह ने जांच दल को खिलाड़ियों से बात करने, वीडियो क्लिपिंग प्राप्त करने और रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, जिला खेल अधिकारी ने इस राज्य स्तरीय टूर्नामेंट के बारे में प्रशासन को कोई जानकारी नहीं दी थी। अगर प्रशासन को आयोजन की सूचना दी जाती तो वह अपने स्तर पर प्रतियोगिता पर विशेष ध्यान देता।

इस बीच, यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि यह अक्षम सरकार है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को खाना तक नहीं दे पा रही है। वहीं केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि मैंने संबंधित ठेकेदार और अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि उस ठेकेदार को काली सूची में डाला जायेगा।

अंडर-17 विश्व कप से भारत में महिला फुटबॉल के स्तर में सुधार होगा:जेजे लालपेखलुआ

नई दिल्ली,20 सितम्बर 2022। भारतीय फुटबॉल टीम के सबसे शानदार फॉरवर्ड में से एक जेजे लालपेखलुआ का मानना है कि भारत में फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप नई पीढ़ी की महिला फुटबॉलरों के लिए अपनी प्रतिभा और क्षमता दिखाने के लिए एक आदर्श मंच के रूप में काम करेगा।

जेजे ने देश भर के सभी फुटबॉल प्रशंसकों से विश्व कप में भाग लेने के लिए तैयार भारतीय अंडर-17 महिला टीम का समर्थन करने का आग्रह किया।

आगामी टूर्नामेंट, जो 11 अक्टूबर से शुरू होने वाला है, 2017 में वापस आयोजित फीफा अंडर -17 विश्व कप के बाद भारत में आयोजित होने वाला दूसरा फीफा युवा आयोजन होने जा रहा है।

जेजे ने कहा, ÷मुझे लगता है कि यह आयोजन उन छोटे बच्चों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जो इस देश में फुटबॉल खेलना चाहते हैं। मुझे उम्मीद है कि यह आयोजन विशेष रूप से हमारे देश की युवा लड़कियों को फुटबॉल खेलने के लिए प्रोत्साहित करेगा।÷

÷पिछले दो वर्षों में, महिला फुटबॉल भारत में अच्छे तरीके से सामने आ रहा है। अब हम अपने देश में इस तरह के एक मेगा इवेंट की मेजबानी कर रहे हैं और यह भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा। मुझे

उम्मीद है कि इस आयोजन के बाद, में भविष्य में, माता-पिता अपनी बेटियों को केवल फुटबॉल ही नहीं, बल्कि सभी खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।÷

उन्होंने कहा, ÷यह देश भर में युवा लड़कियों को प्रोत्साहित करेगा और बदले में हमें भारत में महिलाओं के खेल के स्तर में सुधार करने में मदद करेगा और बाद में हमारे देश में महिलाओं के खेल की धारणा को बदल देगा।÷

मिजोरम के 31 वर्षीय स्ट्राइकर ने टूर्नामेंट से पहले प्रशंसकों से युवा लड़कियों का किसी भी तरह से समर्थन करने का आग्रह करते हुए कहा, ÷मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी के रूप में, मुझे एहसास है कि प्रशंसकों के बिना हम कुछ भी नहीं हैं, हम करेंगे आज हम जितने सुपरस्टार नहीं हैं, इसलिए मुझे लगता है कि उनका समर्थन जरूरी है।

÷मैं लगभग 10 वर्षों से पेशेवर रूप से खेल रहा हूं और सभी एथलीटों के लिए प्रशंसक बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि हर कोई इन युवा लड़कियों के लिए अपना समर्थन दिखाएगा, जो न केवल स्टेडियमों से बल्कि अपने घरों से उच्चतम स्तर पर खेलने की इच्छा रखती हैं। क्योंकि प्रशंसकों का प्यार और प्रोत्साहन निश्चित रूप से उन्हें मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करेगा।÷

जेजे ने निष्कर्ष निकाला, ÷मुझे लगता है कि भारत में फुटबॉल के लिए भविष्य वास्तव में उज्ज्वल है और अंडर-17 भारतीय महिला टीम निश्चित रूप से हमें गौरवान्वित करेगी।÷

निश्चके आस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की मुख्य कोच नियुक्त

मेलबर्न,,20 सितम्बर 2022। पूर्व ऑलराउंडर शैली निश्चके को अगले चार साल के लिए आस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

निश्चके के अंतरिम कोच रहते हुए आस्ट्रेलिया ने राष्ट्रमंडल खेलों में फाइनल में भारत को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। वह 2018 से आस्ट्रेलिया की सहायक कोच थी। इस साल के शुरू में मैथ्यू मोट के हट जाने के बाद उन्हें अंतरिम कोच नियुक्त किया गया था। निश्चके का मुख्य कोच के रूप में पहली श्रृंखला दिसंबर में होगी जब आस्ट्रेलियाई टीम भारत के दौरे पर आएगी। इसके बाद आस्ट्रेलिया जनवरी में पाकिस्तान की मेजबानी करेगा। उनकी असली परीक्षा अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में होगी जब आस्ट्रेलिया अपने खिताब का बचाव करने के लिए उतरेगा।

स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर निश्चके ने आस्ट्रेलिया की तरफ से 100 से अधिक मैच खेलने के बाद 2011 में संन्यास ले लिया था। उन्होंने 80 एकदिवसीय, 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय और छह टेस्ट मैचों में 153 विकेट लिए और 3118 रन बनाए।

आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड की टीम घोषित

सिडनी, ,20 सितम्बर 2022। न्यूजीलैंड ने इस साल अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के लिए अपनी टीम की घोषणा की और सलामी बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल इस आयोजन में रिकॉर्ड सातवीं उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार हैं।

ब्लैककैप्स बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल को उनके पुराने स्कूल, ऑकलैंड के एवोंडेल कॉलेज द्वारा रिकॉर्ड सातवें आईसीसी टी 20 विश्व कप के लिए चुने जाने पर सम्मानित किया गया है। नाथन मैकुलम और रॉस टेलर छह टी 20 विश्व कप में खेलने वाले न्यूजीलैंड के एकमात्र अन्य खिलाड़ी हैं।

अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 शोपीस के लिए गुप्टिल के पूर्व हाई स्कूल में घोषित 15-खिलाड़ियों की टीम में 35 वर्षीय का समावेश काफी हद तक अनुमानित 15-खिलाड़ियों का हिस्सा था।

वेलिंगटन फायरबर्ड्स की जोड़ी फिन एलन और माइकल ब्रेसवेल को उनके पहले सीनियर विश्व कप के लिए नामित किया गया है और वे उस पक्ष के एकमात्र नए चेहरे हैं जिन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में पिछले साल के आयोजन के फाइनल में जगह बनाई थी। ब्लैककैप्स टी20 विश्व कप टीम पहले पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ 7 अक्टूबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होने वाली टी20 ट्राई-सीरीज़ का मुकाबला करेगी। हेगले ओवल में आठ दिनों में सात मैचों के साथ, ट्राई-सीरीज़ प्रशंसकों को टीम को देखने का आखिरी मौका प्रदान करेगी। 15 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होने से पहले।

ब्लैककैप्स के कोच गैरी स्टीड ने कहा कि टीम आगे आने वाले अवसर को लेकर उत्साहित है।

÷विश्व कप टीम की घोषणा करना हमेशा एक विशेष समय होता है और मैं आज चुने गए 15 खिलाड़ियों को बधाई देना चाहता हूं। यह विशेष रूप से फिन और माइकल के लिए रोमांचक है जो अपने पहले आईसीसी आयोजनों के लिए तैयार हैं, जबकि मार्टिन गुप्टिल अपने 7 वें टी 20 की तैयारी कर रहे हैं। विश्व कप - जो अपने आप में एक अविश्वसनीय उपलब्धि है,÷ स्टीड ने बोर्ड के एक बयान में कहा।

÷पिछले साल की घटना के तुरंत बाद इस टूर्नामेंट का होना बहुत अच्छा है, जिसमें हमने कुछ बहुत अच्छा क्रिकेट खेला, लेकिन अंत में काफी हद तक पार नहीं कर सके। उस टीम के नाभिक के साथ फिन के रोमांचक परिवर्धन के साथ बनाए रखा और माइकल, हमें काफी आशावाद के साथ टूर्नामेंट में जाना चाहिए।÷

स्टीड ने कहा कि ट्राई सीरीज को पहले विश्व कप के लिए उच्च गुणवत्ता वाली तैयारी प्रदान करनी चाहिए।

सभी महत्वपूर्ण खेल समय के साथ, वे मैच ऑस्ट्रेलिया के लिए हमारे प्रस्थान से पहले हमारे संयोजन और खेल-योजनाओं को परिष्कृत करने का एक शानदार मौका होंगे,÷ उन्होंने निष्कर्ष निकाला।

ब्लैककैप्स ने शनिवार, 22 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एससीजी में अपने टी 20 विश्व कप अभियान की शुरुआत की, इससे पहले क्रमशः एससीजी और एडिलेड ओवल में अफगानिस्तान (एमसीजी), इंग्लैंड (गाबा) और दो क्वालीफायर का सामना करना पड़ा।

स्टीड ने कहा कि सीओवीआईडी प्रभावित 2021 संस्करण के बाद इस आयोजन के लिए बड़ी भीड़ के लौटने की संभावना के बारे में टीम के बीच उच्च स्तर का उत्साह था।

÷हम उम्मीद कर रहे हैं कि ऑस्ट्रेलिया में पहले से रह रहे हमारे प्रशंसकों के साथ-साथ बहुत से कीवी हमारे समर्थन के लिए खाई के पार यात्रा करेंगे। एससीजी, एमसीजी, गाबा और एडिलेड ओवल जैसे महान मैदानों में खेलना स्वाद लेने का अवसर होगा। और कुछ ऐसा जो मुझे पता है कि हमारे लड़के वास्तव में आगे देख रहे हैं।÷

अपने सातवें टी 20 विश्व कप के लिए गुप्टिल का चयन उन्हें ड्वेन ब्रावो, क्रिस गेल, मोहम्मद महमुदुल्लाह और मुशफिकुर रहीम में खिलाड़ियों की एक विशेष सूची में शामिल करता है - जबकि शाकिब अल-हसन और रोहित शर्मा अपने आठवें आयोजनों के लिए तैयार हैं।

ब्लैककैप्स5 अक्टूबर को ट्राई-सीरीज़ के लिए क्राइस्टचर्च में इकट्ठा होते हैं। शनिवार, 15 अक्टूबर को, वे क्राइस्टचर्च से ऑस्ट्रेलिया के लिए प्रस्थान करेंगे।

आईसीसी टी20 विश्व कप और ट्राई सीरीज के लिए ब्लैककैप्स टीम~ केन विलियमसन (क), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे (2), लॉकी फर्ग्यूसन, मार्टिन गप्टिल, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउथी।

रिलीज हुआ फिल्म ऊंचाई का दूसरा पोस्टर

अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर और बोमन ईरानी को आप सभी जल्द एक साथ देखने वाले हैं। जी दरअसल इन दिनों को इनकी अपकमिंग फिल्म ऊंचाई में देखा जाने वाला है और तीनो इसी को लेकर खबरों में बने हुए हैं। जी दरअसल बीते दिनों इस फिल्म का पहला पोस्टर और रिलीज डेट सामने आई थी। वहीं अब हाल ही में ऊंचाई के मेकर्स ने फिल्म से अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर और बोमन ईरानी का फर्स्ट लुक पोस्टर आउट कर दिया है।

आप देख सकते हैं ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ऊंचाई का फर्स्ट पोस्टर लुक साझा किया है। वहीं इस पोस्टर में अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर और बोमन ईरानी पहाड़ों पर बैठ प्रकृति का फील लेते नजर आ रहे हैं। आप देख सकते हैं इस दौरान बोमन ईरानी को बोतल से पानी पीते हुए देखा जा रहा है, जबकि बिग बी के चेहरे पर हल्की सी मुस्कान के साथ हाथ में एक बड़ा टिफिन दिखाई दे रहे हैं। तीसरी तरफ अनुपम खेर

अपने लंच बॉक्स को खोलकर खाने का लुत्फ उठा रहे हैं। आपको पता हो इस फिल्म में तीन बड़े सितारे एक साथ पर्दे पर नजर आने वाले हैं। ऐसे में यह देखना जबरदस्त होने वाला है। वैसे हम आपको यह भी बता दें कि अमिताभ बच्चन ने भी पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मुझे गर्व हो रहा है, आओ मुझे और मेरे दोस्त, अनुपम खेर, बोमन ईरानी के परिवार और रोमांचभरी लाइफ को देखें।

अब अगर हम फिल्म के बारे में बात करें तो, इस फिल्म को बॉलीवुड इंडस्ट्री के मशहूर डायरेक्टर सूरज बड़जात्या डायरेक्ट कर रहे हैं। जी हाँ और फिल्म ऊंचाई को राजश्री प्रोडक्शन के साथ महावीर जैन और नताशा मालपानी ओसवाल प्रोड्यूस कर रहे हैं। ऊंचाई में अमिताभ और अनुपम खेर, बोमन ईरानी, नीना गुप्ता और सारिका जैसे दिग्गज सितारें नजर आएंगे। फिल्म 11 नवम्बर 2022 को सिनेमाघर में रिलीज होने वाली है।

अब निगेटिव रोल में नजर आएगी अनुपमा

टीवी के चर्चित सीरियल अनुपमा अब नकारात्मक किरदार निभाती दिखाई देगी। कनफ्यूज मत होइए, यहां हम टीआरपी लिस्ट में टॉप पर रहने वाले शो अनुपमा की लीड अभिनेत्री रुपाली गांगुली की बात नहीं कर रहे बल्कि रियल लाइफ अनुपमा की बात कर रहे हैं। हम बात कर रहे हैं टेलीविज़न अभिनेत्री अनुपमा सोलंकी की, जो कि पिछली बार टेलीविज़न सीरियल मैडम सर में अहम किरदार निभाती दिखाई दी थीं।

अनुपमा सोलंकी अब टेलीविज़न शो बिंदिया सरकार में नकारात्मक किरदार निभाती दिखाई देगी। ध्रुव भंडारी और सोनल खिलवानी स्टारर इस टेलीविज़न सीरियल में अनुपमा का किरदार कैसा होगा यह देखना बहुत दिलचस्प होगा। अनुपमा इस शो में ध्रुव भंडारी की जिंदगी में बहुत बड़ी आफत बनकर आएंगी।

सीरियल में उनकी भूमिका की बात करें तो वह इस सीरियल में नीलू वाघेला की छोटी बहन की भूमिका निभाती दिखाई देगी। इस आगामी किरदार के बारे में अनुपमा ने कहा, मैं नकारात्मक किरदार निभाना काफी एन्जॉय करती हूं। इस तरह की भूमिका बड़ी चुनौतीपूर्ण होती हैं तथा क्योंकि इनमें निरंतर प्लानिंग एवं प्लॉटिंग चलती रहती है इसलिए इनमें करने के लिए बहुत कुछ होता है। अनुपमा ने कहा कि कास्टिंग डायरेक्टर अक्सर उन्हें नकारात्मक किरदार के लिए चुनते हैं। उन्होंने कहा कि जाहिर तौर पर उन्होंने पिछला रोल सकारात्मक किया था किन्तु इससे पहले उन्होंने अधिकतर किरदार नकारात्मक ही किए हैं। अनुपमा ने बताया- मैंने अपना करियर ये हैं मोहब्बतें से आरम्भ किया था और डायन और चीकू की मम्मी दूर की में नकारात्मक किरदार निभाया है।

धनुष-स्टारर नाने वरुवेन का मनोरंजक टीजर आउट

निर्देशक सेल्वाराघवन की आगामी फिल्म नाने वरुवेन की यूनिट, जिसमें उनके अपने भाई धनुष के. राजा मुख्य भूमिका में हैं, ने फिल्म का एक मनोरंजक टीजर जारी किया है। सेल्वाराघवन ने ट्विटर पर टीजर जारी करते हुए लिखा, अभी टीजर आउट! आशा है कि आप सभी को यह पसंद आएगा।

धनुष ने अपनी ओर से कहा, यहां हम चलते हैं !! नाने वरुवेन का टीजर।फिल्म, जिसमें धनुष दोहरी भूमिका में दिखाई देते हैं, धनुष ने नायक और प्रतिपक्षी दोनों की भूमिका निभाई है। टीजर में नायक धनुष को दो बच्चों के एक बिंदास पिता के रूप में दिखाया गया है। वह इंदुजा द्वारा निभाई गई अपनी पत्नी के लिए एक प्यार करने वाले पति के रूप में भी सामने आता है। प्रतिपक्षी धनुष एक शिकारी प्रतीत होता है, जो शिकार करने से पहले अपनी प्रार्थना को चलने देना चाहता है। टीजर फिल्म में धनुष के दोनों किरदारों के बीच टकराव का वादा करता है।

फिल्म ने पहले ही संगीत प्रेमियों का ध्यान अपने दिल की धड़कन वीरा सूरा गाने से खींचा है, जिसे संगीत निर्देशक युवान शंकर राजा ने गाया है, जिसने आठ दिनों में रिकॉर्ड आठ मिलियन से अधिक वास्तविक समय में व्यूज प्राप्त किया है। बहुप्रतीक्षित फिल्म इस साल सितंबर में स्क्रीन पर हिट होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े पोस्ट आफिस घोटाले की आरोपी आकांक्षा ने रायपुर कोर्ट में किया सरेंडर

रायपुर, 20 सितम्बर 2022। राज्य में हुए सबसे बड़े पोस्ट ऑफिस घोटाले की फरार आरोपिया आकांक्षा पांडे ने रायपुर कोर्ट में सरेंडर किया है।

आपको बता दे कि पिछले 15 महीनों से आरोपिया फरार चल रही थी। लोअर कोर्ट में लगी जमानत याचिका खारिज होने के पश्चात सुप्रीम कोर्ट में लगे बेल एप्लिकेशन खारिज होने के बाद रायपुर कोर्ट में आकांशा ने सरेंडर किया है।

ज्ञातव्य हो कि राजधानी समेत प्रदेश के 100 से अधिक लोगो के 20 करोड़ रुपयो से ज्यादा की ठगी कर आकांशा फरार हुई थी जिसके बाद रायपुर के सरस्वती नगर पुलिस थाना में पति भूपेंद्र पांडे व आकांक्षा पांडे समेत उसके एजेंट प्रीतम सिंह ठाकुर के खिलाफ स्ढ्ढक्रदर्ज की गई थी। फरारी के दौरान आरोपी भूपेंद्र पांडे ने ट्रेन के सामने कूदकर खुदक्ुशी कर ली थी। फिलहाल एजेंट प्रीतम सिंह ठाकुर जेल में बंद है।

माना हत्याकांड का मुख्य आरोपी ओड़िसा से गिरफ़्तार, SSP ने 20 हज़ार रुपए इनाम की घोषणा की थी

रायपुर, 20 सितम्बर 2022। राजधानी रायपुर के माना थाना इलाके में हुए हत्याकांड का मुख्य आरोपी रवि साहू अब पुलिस की गिरफ्त में है। आपको बता दे कि इस मामले में अब तक कुल 9 आरोपियों को गिरफ़्तार कोय जा चुका था जिसके बाद मुख्य आरोपी एवं मास्टरमाइंड रवि साहू लगातार फरार चल रहा था। इस मामले में एसएसपी रायपुर प्रशांत अग्रवाल ने रवि साहू को पुलिस की गिरफ्त में लाने के लिए मदद करने वाले व्यक्ति को 20 हज़ार रुपये इनाम में देने की घोषणा भी की थी जिसके बाद से ही रवि की तलाशी तेज़ हो गयी थी। फिलहाल वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि रवि साहू की ओड़िसा राज्य में होने की खबर मिली थी जहां पुलिस टीम ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ़्तार कर लिया है व उसे रायपुर लेकर पहुँच रही है।

इंद्रावती भवन की पार्किंग के पास पेड़ में युवक ने लगाई फांसी, इलाके में सनसनी

रायपुर, 20 सितम्बर 2022। राजधानी रायपुर के नवा रायपुर स्थित इंद्रावती भवन की पार्किंग के पास पेड़ पर युवक ने फांसी लगा ली । उक्त घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गयी। मामले की जानकारी देते हुए राखी थाना प्रभारी लक्ष्मी जायसवाल ने बताया कि मृतक योगेश वानखेड़े ने फांसी लगाई है जो खाद्य विभाग में ड्राइवर था। मृतक को लापरवाही के चलते नोकरी से निकाल दिया गया था जिसके बाद वह आवेदन लेकर इंद्रावती भवन पहुँचा था परंतु हताश होकर योगेश ने खुदखुशी कर ली। मृतक की उम्र तकरीबन 40 वर्ष व निवासी भिलाई बताया जा रहा है। फिलहाल राखी थाना पुलिस टीम मौके पर पहुँच मामले की जांच में जुटी है। शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए रवाना किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री की अहम घोषणा:

राज्य में एक नवम्बर से होगी धान खरीदी:बघेल

पंजीकृत किसानों की संख्या 25 लाख तथा पंजीकृत रकबा 0 31 लाख हेक्टेयर से ज्यादा होने का अनुमान

रायपुर, 20 सितंबर 2022। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में एक नवम्बर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी किए जाने की घोषणा की है। राज्य में धान उपार्जन के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई है। धान खरीदी दौरान किसानों को किसी भी तरह की दिक्कत न होने पाए, इसको लेकर सभी धान खरदी केन्द्रों में आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। राज्य में फिलहाल धान उपार्जन के लिए नए किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया जारी है, जो 31 अक्टूबर 2022 तक चलेगी। सरकार की किसान हितैषी नीतियों के चलते राज्य में साल दर साल किसानों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए यह अनुमान है कि इस साल पंजीकृत किसानों की संख्या 25 लाख के पार पहुंच जाएगी। बीते वर्ष 24.05 लाख किसानों ने धान बेचने के लिए पंजीयन कराया था, जबकि वर्ष 2020-21 में पंजीकृत किसानों की संख्या 21.52 लाख थी। विपणन वर्ष 2021-22 में किसानों की संख्या विपणन वर्ष 2020-21 की तुलना में ढाई लाख से ज्यादा बढ़ गई थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की किसान हितैषी नीतियों के चलते बीते तीन सालों में पंजीकृत धान के रकबे और किसानों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। धान बेचने के लिए पंजीयन कराने वाले किसानों की संख्या वर्ष 2018-19 में 16.96 लाख थी, जो कि वर्ष 2021-22 में बढ़कर 24.05 लाख हो गई है। विपणन वर्ष 2022-23 में पंजीकृत किसानों की संख्या 25 लाख के पार पहुंचने का अनुमान है। पंजीकृत किसानों की वास्तविक संख्या का सही आंकड़ा 31 अक्टूबर 2022 को पंजीयन समाप्त होने के बाद ही पता चल पाएगा। इसी तरह धान का पंजीकृत रकबा भी बीते तीन सालों में 25.60 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 30.26 लाख हेक्टेयर हो गया है। इस साल पंजीकृत रकबे में और वृद्धि अनुमानित है। राज्य में इस साल

धान के फसल की बेहतर स्थिति को देखते हुए बीते वर्ष की तुलना में ज्यादा खरीदी का अनुमान है। वर्ष 2018-19 में 80.38 लाख मीट्रिक टन, वर्ष 2019-20 में 83.94 लाख मीट्रिक टन, वर्ष 2020-21 में 92.02 लाख मीटरिक टन तथा वर्ष 2021-22 में 98 लाख मीटरिक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी हुई है।सरकार की गांव, गरीब, किसान, व्यापार और उद्योग हितैषी नीतियों से समाज के सभी वर्गों में खुशहाली है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा धान और तेंदूपत्ता की देश में सबसे अधिक कीमत पर खरीदी, किसानों की कर्ज माफी, सिंचाई कर की माफी, सुराजी गांव योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना और गोधन न्याय योजना के जरिए राज्य के ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए अब तक एक लाख करोड़ रूपए से अधिक की राशि सीधे ग्रामीणों, किसानों, पशुपालकों और लघु वनोपज संग्राहकों के बैंक खाते में पहुंचा चुकी है, यही वजह है कि छत्तीसगढ़ के बाजारों में लगातार रौनक बनी हुई है। यहां व्यापार-व्यवसाय की स्थिति अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर है।छत्तीसगढ़ राज्य देश का इकलौता राज्य है, जहां समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के साथ-साथ खरीफ की सभी प्रमुख फसलों के उत्पादक किसानों को प्रति एकड़ के मान से 9 से 10 हजार रूपए की इनपुट सब्सिडी दी जा रही है। छत्तीसगढ़ राज्य में किसान की बेहतरी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य के 17.82 लाख किसानों पर बकाया 9270 हजार करोड़ रूपए का कृषि ऋण माफ, 325 करोड़ रूपए का सिंचाई कर तथा 5 लाख से अधिक किसानों को निःशुल्क एवं रियायती दर पर बिजली उपलब्ध कराकर सालाना लगभग 900 करोड़ रूपए की राहत दी है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना से राज्य में फसल उत्पादकता एवं फसल विविधिकरण को बढ़ावा मिला है। इस योजना के जरिए किसानों को इनपुट सब्सिडी देकर कृषि लागत में मदद की जा रही हैं। बीते दो सालों में इस योजना के तहत 14,665 करोड़ रूपए की सीधी मदद किसानों को दी गई है। इस योजना से लाभान्वित होने वालों में किसानों में से 90 प्रतिशत लघु सीमांत कृषक अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति पिछड़ा वर्ग एवं गरीब तबके के हैं।

राज्य शासन आरक्षण मामले में हाई कोर्ट के फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में करेगी अपील

रायपुर, 20 सितम्बर 2022। उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ ने 19 सितंबर को, वर्ष 2012 में राज्य शासन के द्वारा आरक्षण के प्रतिशत में वृद्धि के मामले में अपना निर्णय सुनाया है, राज्य शासन ने इस निर्णय से असहमत होते हुए यह निर्णय लिया है कि इस मामले को माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपील के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। राज्य शासन का यह मानना है कि यद्यपि वर्ष 2012 में समुचित रूप से इस मामले में तथ्य तत्कालीन सरकार में पेश नहीं किए थे परन्तु फिर भी, छत्तीसगढ़ राज्य में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के आरक्षण प्रतिशत को देखते हुए, राज्य सरकार उपरोक्त फ़ैसले से पूरी तरह असहमत हैं, राज्य सरकार यह मानती है कि उपरोक्त निर्णय से राज्य के आरक्षित वर्ग में समुचित विकास के मार्ग में बाधित होगा।

उक्त निर्णय से राज्य सरकार सहमत नहीं है एवं राज्य सरकार निर्णय को चुनौती देते हुए आरक्षित वर्ग को न्याय दिलाने में साथ खड़ी है। यह अत्यंत ही दुर्भाग्य का विषय है कि तत्कालीन राज्य सरकार ने इस मामले को बिना किसी तथ्य के जानबूझकर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की आबादी के विकास एवं आवश्यकताओं को नज़रअंदाज़ करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष अधूरे तथ्य प्रस्तुत किए, जो दस्तावेज़ एवं रिकॉर्ड भी तत्कालीन राज्य सरकार के पास उपलब्ध थे। उन्हें भी तत्कालीन राज्य सरकार ने जानबूझकर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया था, परंतु वर्तमान सरकार ने उक्त संबंध में समस्त तथ्यों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की अनुमति भी माँगी थी।

महादेव बुक और रेडी अन्ना बुक के सटोरियों पर रायपुर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

रायपुर, 20 सितम्बर 2022। ऑनलाइन सट्टा महादेव बुक एवं रेडी अन्ना बुक के सटोरियों पर पुलिस ने बड़ी कार्यवाही की है. जानकारी के मुताबिक एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना डी.डी.नगर क्षेत्रांतर्गत कुछ स्थानो पर महादेवा ऑनलाइन बुक एपलिकेशन एवं रेड्डी ऑनलाइन बुक के माध्यम से वेबसाईट का तैयार कर ऑनलाइन सट्टा का संचालन कर रहे है। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम देव चरण पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध अभिषेक माहेश्वरी, नगर पुलिस अधीक्षक आजाद चौक उदयन बेहार एवं प्रभारी एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट तथा थाना प्रभारी डी.डी.नगर को सटोरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार करने आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। जिस पर एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट तथा थाना डी.डी.नगर की संयुक्त 03 विशेष टीम गठित कर

मुखबीर द्वारा बताये स्थान 01. थाना डी.डी.नगर क्षेत्रांतर्गत स्थित इंद्रप्रस्थ वॉटर पार्क के सामने 02. डी.डी.नगर सेक्टर 04 एवं 03. थाना डी.डी.नगर क्षेत्रांतर्गत चंगोराभाठा स्थित कर्मा चैक पास स्थित एक मकान में जाकर टीम द्वारा एक साथ दबिश देकर रेड कार्यवाही किया गया। रेड कार्यवाही के दौरान महादेव ऑनलाइन बुक एपलिकेशन एवं रेड्डी ऑनलाइन बुक वेबसाईट का आईडी तैयार कर लैपटॉप एवं मोबाईल फोन में सेटअप तैयार कर सट्टा संचालित करते 23 सटोरियों सहित 02 विधि के साथ संघर्षरत बालक को रंगे हाथ पकड़ा गया।

पूछताछ में सटोरियों ने अपना नाम पियुष हिरानी, रोहन माण्डले, निखिल सिंह, अंकित कुमार सिंह, विकास कुमार, शेखर नायक, विजय चैहान, कन्हैया वर्मा, चंद्रशेखर अहिरवार, अभिषेक गजभिये, मनोज शुक्ला, कुशाल, प्रज्जवल हिरानी, हरि कुमार, सुरेन्द्र कुमार सिंह, विक्रम सिंह, हरि उपाध्याय, अर्पित वर्मा, जय सिंह पटेल, सौरभ पटेल, रूद्र कुमार सोनी, राजेश कुमार पटेल तथा प्रसंग गौर होना बताने के साथ ही सटोरियों द्वारा सेटअप तैयार कर महादेव ऑनलाइन बुक एपलिकेशन एवं रेड्डी ऑनलाइन बुक वेबसाईट का आईडी तैयार ऑनलाइन लाईव लूडो, फुटबॉल, कसिनो गेम में सट्टा का संचालन करना स्वीकार किया गया। जिस पर टीम द्वारा सटोरियों सहित 02 विधि के साथ संघर्षरत अपचारी बालकों को गिरफ्तार किया गया।

सटोरियों द्वारा महादेवा ऑनलाइन बुक एपलिकेशन एवं रेड्डी ऑनलाइन बुक वेबसाईट में आई.डी. तैयार कर सट्टा संचालन करने में अंतर्राष्ट्रिय गिरोह की भी संलिप्तता होना बताया गया है। सटोरियों के कब्जे से 07 नग लैपटॉप, 26 नग मोबाईल फोन,13 नग सट्टा से संबंधित हिसाब बुक, 11 नग चेकबुक, 03 नग पासबुक, 01 नग एटीएम लेदर केस, 01 नग कैलकुलेटर, नगदी रकम 73,510/- रूपये जुमला कीमती लगभग 10,80,510/- रूपय जप्त कर सटोरियों के विरूद्ध थाना डी.डी.नगर में अपराध क्रमांक 465/22, 466/22 एवं 467/22 धारा 4(क) जुआ एक्ट क्रमशः का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही करने के साथ ही पृथक से प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत् भी कार्यवाही किया गया।

एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम द्वारा ऑनलाइन एपलिकेशन के माध्यम से सट्टा संचालन में संलिप्त अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

इसी सट्टा/ऑनलाइन सट्टा खेलने/खिलाने वालों के विरूद्ध रायपुर पुलिस का यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

डॉ. रेणु जोगी और अमित जोगी का बड़ा बयान

पार्टी को खत्म करने की साजिश पर धर्मजीत को किया निष्कासित

रायपुर, 20 सितम्बर 2022। जनता कांग्रेस के निष्कासित विधायक धर्मजीत सिंह ने अमित जोगी पर बड़ा आरोप लगाया है। इस मुद्दे को लेकर जनता कांग्रेस के अध्यक्ष रेणु जोगी ने अपने निवास में प्रेस कॉन्फ्रेंस ली है। इस दौरान उन्होंने कहा कि, मुझे इस बात का दुःख है कि मेरी ही कलम से मेरे छोटे भाई धर्मजीत का निष्कासन हुआ। यह कहना है जनता कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. रेणु जोगी का है।

उन्होंने आगे कहा कि, पार्टी के विधायक अजीत जोगी के सपने को खत्म करने की साजिश रच रहे थे। भाजपा के ऑपरेशन लोटस के जरिए जनता कांग्रेस को समाप्त करने की पूरी तैयारी कर ली गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा क्षेत्रिय दलों को खत्म करना चाहती है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक दलीय व्यवस्था चाहती है। इसलिए जनता दल यू और शिवसेना के साथ जो किया वही हमारी पार्टी के साथ भी करने की तैयारी थी।

इसकी पटकथा रायपुर से लेकर दिल्ली तक लिखी गई। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से हमारे दो विधायकों ने मुलाकात की। दोनों विधायक दिल्ली भी गए तो मुझसे मिलना तक मुनासिब नहीं समझा जबकि मैं दिल्ली में ही बीमार थी और मेरा उपचार जारी थी।

डॉ. रेणु जोगी ने पार्टी के निष्कासित विधायक पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस दौरान उनकी भाजपा प्रभारी डी पुरंदेश्वरी से भी मुलाकात हुई है। जो कि अजित जोगी की विचारधारा के विरुद्ध जाकर पार्टी का जबरन विलय का षडयंत्र था। यह कदम अजित जोगी के सापने और छत्तीसगढ़ की अस्मिता पर हमला था।

उन्होंने आगे कहा कि मुझे अपने छोटे भाई धर्मजीत को पार्टी से निकालने का फैसला भारी मन से लेना पड़ा। मेरे जीवित रहते मैं अपनी पार्टी को भाजपा में विलय नही करूंगी। मेरे पास पार्टी को बचाए रखने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं था।

अमित के संस्कारों पर धर्मजीत द्वारा उठाए गए सवालों पर डॉ. जोगी ने कहा कि मेरे और जोगी जी के लिए वो श्रवण कुमार से कम नही हैं। सेवा करने के भाव के साथ हमेशा उसने अपने बड़े बुजुर्गों का सम्मान किया है।

विधायक धर्मजीत द्वारा उनकी पत्नी के साथ दुर्व्यवहार का आरोप अमित जोगी पर लगाया गया। इस बारे में अमित जोगी ने कहा कि उनकी बात धर्मजीत सिंह की पत्नी से नहीं पत्नी के फोन से धर्मजीत से बात हुई। धर्मजीत सिंह की पत्नी मेरे लिए मातृ तुल्य हैं। मेरी उनकी धर्म पत्नी से कोई बात ही नहीं हुई। इतना ही नहीं राजनीति के आरोपों पर अमित जोगी ने कहा कि ईश्वर उन्हें सद्बुद्धि दें।

13 साल की स्कूली छात्रा का हुआ अपहरण

कोंडागांव, 20 सितम्बर 2022। छत्तीसगढ़ से इस वक्त बड़ी खबर सामने आ राही है। प्रदेश के कोंडागांव जिले में एक स्कूली छात्रा का अपहरण कर लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार 13 वर्षीय छात्रा सुबह अपने घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी।

फिलहाल इस घटना के बाद से पुलिस मामले को जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक ये घटना सोमवार की सुबह की है। छात्रा अपने घर से स्कूल के लिए निकली थी। इस दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उसका किडनैप कर लिया।

आरोपी युवक जगदलपुर का बताया जा रहा है। इस मामले में फरसगांव पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन अभी तक के छात्रा और आरोपी युवक का पता नहीं चल पाया है।

बिजनेस पार्टनर ने कराई हत्या

दंतेवाड़ा, 20 सितम्बर 2022। आपने फिल्मों में बिजनेस पार्टनर की हत्या कर सारा पैसा हड़प लेने वाली कहानी कई बार देखी होगी। लेकिन क्या सोच सकते हैं कि बस्तर के दंतेवाड़ा जिले में कोई बैल-भैंस बिक्री करने वाला अपने पार्टनर को महज एक लाख साठ हजार रुपये हड़पने की नीयत से मार डालेगा। वह भी इतनी सफाई से कि लगे सड़क हादसे में जान गई है। लेकिन वो कहते हैं न कि कातिल चाहे जितना भी शातिर क्यों न हो... कोई न कोई सुराग तो जरूर छोड़ता है। यहां हम बात कर रहे हैं एक माह पूर्व कारली पुलिस पेट्रोल पम्प के पास हुई सड़क दुर्घटना की। जी हां यह सुनियोजित तरीके से की गई हत्या निकली। गीदम पुलिस ने हत्या में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मर्डर को सड़क हादसा दिखाने की कोशिश में इस्तेमाल किए गए वाहन को भी जप्त कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि, 22 अगस्त 2022 को पुलिस पेट्रोल पम्प के पास रात्रि 10.30 बजे सड़क हादसे में सुन्दर नामक व्यक्ति की घटनास्थल में ही मौत हो गई थी। प्रारंभिक तौर पर पुलिस इसे सड़क हादसा मानकर जांच कर रही थी। लेकिन जांच के दौरान पता चला कि

पत्नी के बयान से पुलिस को मिला क्लू

प्रारंभिक विवेचना के दौरान मृतक की पत्नी मंजू कोर्राम से पुलिस की पूछताछ में पता चला कि घटना के दिन मृतक सुन्दर कोर्राम मोबाईल में बात करते हुए पत्नी मंजू कोर्राम को पैसे लेने कमलू बुला रहा है कहकर घर से निकला था और फिर काफी देर होने के बाद भी घर वापस नहीं आया तो मृतक सुन्दर को ढूढ़ने निकलने पर पुलिस पेट्रोल पम्प के पास ईमली झाड़ के नीचे सुन्दर की लाश पड़ी हुई थी। जो कि किसी अज्ञात वाहन द्वारा कुचला जाना प्रतीत हो रहा था।

कड़ी पूछताछ में खुला मर्डर का राज

मामला संदेहास्पद प्रतीत होने पर घटना की बारीकी से घटना की विस्तृत विश्लेषण करने पर आरोपी कमलू राम कश्यप के दंतेवाड़ा में उपस्थित होने की सूचना मिली। आरोपी कमलू कश्यप से पुलिस कई बार पूछताछ कर चुकी थी। लेकिन वह पुलिस को निरंतर गुमराह कर रहा था। लेकिन कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने जो स्वीकार किया वह चौंकाने वाला था।

आरोपी कमलू कश्यप और मृतक सुन्दर कोर्राम दोनों मिलकर बैला, भैंसा खरीदी-बिक्री का धन्धा करते थे। आरोपी मास्टरमाइंड कमलू कश्यप का लगभग एक लाख साठ हजार रुपये का मृतक सुन्दर से उधारी थी।

दुबई की फेयरमोंट होटल में जुटे छत्तीसगढ़ के 70 सटोरिये,हुई ग्रैंड सक्सेस पार्टी !

रश्मिका मंदाना,सन्नी लियोनी समेत कई सेलिब्रिटी हुए शामिल

रायपुर, 20 सितम्बर 2022। ऑनलाइन गेमिंग ऐप महादेव बुक के बिना रोक-टोक के शानदार तीन साल पूरे होने पर दुबई में ग्रैंड सेलिब्रेशन हुआ। आयोजक और कोई नहीं ऑनलाइन सट्टा कारोबार के बेताज बादशाह भिलाई-दुर्ग के दो युवक सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल थे।

इस आयोजन में पैसा पानी की तरह बहाया गया। इसका अंदाज़ इसी से लगाया जा सकता है कि भिलाई, दुर्ग, राजनांदगांव, रायपुर, बिलासपुर से अपने दोस्तों और महादेव बुक की आईडी धारकों को आमंत्रित किया गया था। मज़े की बात यह कि 15 से 19 सितम्बर तक के लिए सभी की एयर फेयर (टिकट किराया), रहने और खाने के साथ बॉलीवुड सेलिब्रिटीस से शाम रंगीन करने का इंतज़ाम भी सौरभ-रवि ने किया था। खिलने-पिलाने का यह दौर बॉलीवुड के कॉमेडी स्टार कपिल शर्मा, सिंगर मिक्का, बादशाह, अभिनेत्री सन्नी लियोनी समेत कई टीवी एक्टर और मॉडल्स के साथ चला। बाकायदा वीडियो और ऑनलाइन इन्विटेशन भी दिया गया था।

यूं तो मौज मस्ती 16 सितम्बर से शुरू हो गई थी, लेकिन बताते हैं कि 18 सितंबर को रात 9 बजे से दुबई की बुर्ज़ खलीफा से महज़ चंद कदम

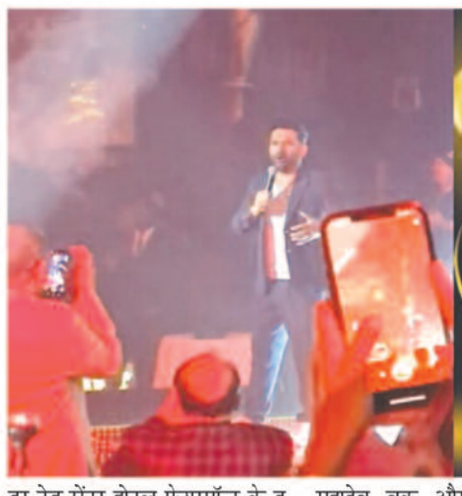

दूर ट्रेड सेंटर होटल फेयरमॉन्ट के द थियेटर में आलीशान आयोजन किया गया था। ऑनलाइन गेमिंग ऐप महादेव बुक और छत्तीसगढ़ की पुलिस को जिन दो सटोरियों सौरभ-रवि की तलाश है।उन्होंने बेधड़क तीसरी सालगिरह मनाया। छत्तीसगढ़ पुलिस को तो कानों कान खबर नहीं पड़ी लेकिन छत्तीसगढ़, ओडिशा, एमपी के उन प्रमुख शहरों के युवकों की टोली दुबई गई जिसकी खबर मिडिया को थी। जानकारी के मुताबिक महादेव ऐप से जुड़े लोग लौट आए हैं लेकिन महादेव के कर्ता-धर्ता सौरभ और रवि के दोस्त अभी भी दुबई में एंजॉय करने रुके हुए हैं।

महादेव,कई सौ करोड़ का हो गया है कारोबार

गेमिंग ऐप महादेव बुक तीन साल में कई सौ करोड़ रूपये के मुनाफा वाला बन गया है। भिलाई-दुर्ग के दो लड़कों सौरभ, रवि और इनके दो दोस्तों रोहित तिर्की और राज गुप्ता द्वारा देशभर में आईडी भी बल्क में बनती गई है। दुबई, ऑस्ट्रेलिया, लन्दन, क़तर समेत गल्फ की अन्य कंट्री में एजेंट तैनात हैं। पांच हज़ार से 5 लाख की आईडी तो बेहिसाब और नो लिमिट वाले भी हैं।

पुलिस की ख़ामोशी से बढ़ा है मनोबल

सालभर पहले रायपुर और दुर्ग पुलिस ने सट्टेबाजों पर बड़ी कार्रवाई किया था। उसी वक्त दुबई से सत्ता चला रहे सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल समेत भिलाई-दुर्ग के दोनों लड़कों का नाम आया था। पुलिस ने दुबई से उन्हें लेन की बात भी कही थी। लाना तो दूर पुलिस के पास उनका एड्रेस और फोटो तक नहीं है। जबकि दोनों सत्ता किंग अपने परिवार को लेकर उस केस के बाद से लक्ज़री लाइफ जी रहे हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)